हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

- 2029 तक आपराधिक मामलों के निराकरण पर जोर
- केंद्रीय गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक
- छत्तीसगढ़ समेत 4 राज्य के मुख्यमंत्री हुए शामिल

बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और भैंस देंगे

अमित शाह ने कहा कि बस्तर के हर ग्रामीण को एक गाय और एक भैंस देकर सहकारिता के तरीके से डेयरी से जोड़कर लाभान्वित करेंगे। गुजरात की तर्ज पर अगले 6 महीने में बस्तर में दुग्ध उत्पादन का एक बड़ा नेटवर्क तैयार हो जाएगा।

लंबित मुकदमों पर चिंता

शाह बोले-जैसे नक्सलवाद खत्म किया, वैसे आपराधिक मुकदमों को खत्म करने का टार्गेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अदालतों में लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि अदालतों में लंबित पड़े पांच साल से अधिक पुराने मामलों के तेजी से निपटारे के लिए उच्च न्यायालयों को विशेष अदालतें गठित करनी चाहिए। गंभीर अपराधों में शासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। गंभीर अपराधों में शासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। गृहमंत्री ने कहा कि जिस तरह से हमने देश को नक्सलवाद से मुक्त किया है, उसी तरह से 3 साल में हर आपराधिक मुकदमे को सुप्रीम कोर्ट तक अंजाम देने का लक्ष्य हमें 2029 से पहले पूरा करना है। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित इन सदस्य राज्यों और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संघीय ढांचा मजबूत हुआ है और क्षेत्रीय परिषद की बैठकें निरंतर हो रही हैं। परिणामस्वरूप बहुत बड़े भूभाग में चार राज्यों के बीच और चार राज्यों का केन्द्र के साथ कोई विवाद नहीं बचा है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बलात्कार के मामलों में अगर समय से जांच हो जाए तो इनमें दोषसिद्धि की दर शत-प्रतिशत हो सकती है। उन्होंने कहा कि अदालतों में लंबित पड़े पांच साल से अधिक पुराने मामलों के तेजी से निपटारे के लिए उच्च न्यायालयों को विशेष अदालतें गठित करनी चाहिए। गंभीर अपराधों में शासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे 1930 हेल्पलाइन पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय

शेष पेज 6 पर

नक्सलवाद के खात्मे का श्रेय सुरक्षा बलों को

श्री शाह ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि यह बैठक बस्तर में आयोजित की जा रही है और इससे पहले ही आज पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। भारत के नक्सल मुक्त होने का संपूर्ण श्रेय हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के परिश्रम और बहादुरी को जाता है। उन्होंने पूरे देश के नक्सल मुक्त होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में जो भी चीजें चाहिए थीं, उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ समन्वय कर उन्हें प्राप्त किया और जहां नेतृत्व की जरूरत थी, वहां मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने नेतृत्व भी प्रदान किया और इसी का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा संघीय ढांचा मजबूत हुआ है और क्षेत्रीय परिषद की बैठकें निरंतर हो रही हैं, परिणामस्वरूप बहुत बड़े भूभाग में चार राज्यों के बीच और चार राज्यों का केन्द्र के साथ कोई विवाद नहीं बचा है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

कुपोषण के खिलाफ आगे बढ़ें

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन -2 पर हमें अभी से फोकस करना चाहिए और हर घर में नल से जल पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पोषण और समाज कल्याण संवेदनशील मुद्दे हैं। गृह मंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों से आह्वान किया कि कुपोषण के खिलाफ भारत सरकार की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल ड्रॉपआउट दर और स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी और अधिक कार्य हों। वित्तीय समावेशन और बिजली सुधार इस विकसित क्षेत्र को पूर्ण विकसित बनाने में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं।

छत्तीसगढ़ की पूर्व कांग्रेस की सरकार ने नक्सल उन्मूलन में नहीं किया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर नक्सली उन्मूलन में सहयोग न करने का आरोप लगाया। मध्य क्षेत्रीय विकास परिषद की बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि दो दिन से बस्तर के लोगों में उत्साह और विश्वास के साथ भविष्य के प्रति आश्वस्तता नजर आ रही है। बंदूक के साए में जीवन जीने वाले लोगों में नक्सलमुक्त बस्तर का आनंद दिखाई पड़ रहा है। 31 दिसंबर 2023 को जब छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बनी उसके तुरंत बाद नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प मजबूत हुआ। उसके पहले भी केंद्र में मोदी की सरकार थी। निःसंकोच यह कह रहा हूं कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने नक्सल उन्मूलन में सहयोग नहीं किया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

वेश बदलकर आएंगे, सावधान रहना होगा

अमित शाह ने बस्तर के आदिवासियों को आगाह करते कहा कि अभी नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म होने का एहसास करना सही नहीं है, क्योंकि अभी जो क्षेत्र नक्सल हिंसा से बरबाद हो चुके हैं उसे विकसित करने में वक्त लगेगा। अगले 5 साल में बस्तर संभाग देश के आदिवासी क्षेत्र के मामले में सर्वाधिक विकसित संभाग बनेगा। यह हमारी सोच और संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वेश और नाम बदलकर लोग आएंगे। उनके बहकावे में नहीं आना है। बल्कि उनसे यह हिसाब मांगना कि 50 साल में जो नुकसान किया गया है उसकी पहले भरपाई करो फिर बात करो।

योजनाओं का मिलेगा फायदा

एक ही छत के नीचे सभी तरह की सुविधाएं केंद्र और राज्य सरकार की 371 योजनाओं का फायदा ग्रामीणों को मिलेगा। एक तरह से यह सेवा डेरा विकास के साथ साथ लोगों के आर्थिक रूप से सशक्तीकरण का केंद्र भी होगा। आदिवासियों को अब दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने माना आभार

अमित शाह की पत्रवार्ता के बाद आभार व्यक्त करते मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकास का रोड़ा बना नक्सलवाद का कलंक अब मिट गया है। अब तेजी से विकास होगा। केंद्रीय गृहमंत्री के प्रयास से बस्तर में शांति और खुशी का वातावरण तैयार हुआ है। वहीं स्वागत उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संकल्प लेना और धरातल पर लागू करना बहुत बड़ी बात है। बस्तर के लोगों का दर्द और तकलीफ सुनकर साथ ही हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में फोर्स भेजकर केंद्रीय गृहमंत्री ने शांति लाने के लिए काफी योगदान दिया। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने नक्सलवाद उन्मूलन के लिए अमित शाह का धन्यवाद देते आभार माना। पत्रवार्ता में डायरेक्टर आईबी तथा होम सेक्रेटरी मौजूद थे।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Fastest compared to all air-cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing. ^Starting exshowroom price of Xtreme 125R IBS OBD2 variant in Chhattisgarh. T&C Apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो 9289922706, **अंबिकापुरः** आनंद हीरो 9289922359, सरगुजा हीरो 9289923110, **कोरबाः** शांति हीरो 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो 9289923057, **रायगढ़ः** गोयल हीरो 9289922373, आदित्य हीरो 9289923091, **जांजगीरः** आनंद हीरो 9289922772, **बैकुंठपुरः** आर.के. हीरो 9289922812, **जशपुरः** आकाश हीरो 9289922909, **एसोशिएट डीलरः खड़गांवः** बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415, **चौराः** ओम ऑटो एजेंसीः 7000316070, **सरियाः** अग्रवाल ऑटो सेण्टर 9993121909, **गौरेलाः** श्री माँ नर्मदा मोटर्स 7587796622 / 7587796611, **सनावलः** सोनी ऑटोमोबाइल्स 9479235816, **रतनपुरः** माँ महामाया मोटर्स 9754240437 / 8839972027, **बलोदाः** श्री कमला ऑटो 9926515216, **मरवाहीः** राहुल ऑटोमोबाइल्स 8889467369 / 8719087320, **मुगेलीः** महावीर मोटर्स 9993855199, **मनेन्द्रगढ़ः** विवेक ट्रेडर्स 6261178785, **कटघोराः** श्री शारदा एंटरप्राइज 9809809925, **शिवरीनारायणः** सुल्तानिया ऑटा केयर 9407600319, **सक्तीः** गोयल ऑटो 9303571001, 7000490324, **खरसियाः** विजय ऑटो एजेंसी 9993093829, **सीतापुरः** श्रीराम हीरो, 7000043001, **पत्थलगांवः** ज्योति ऑटो 9406399000, **सारंगढ़ः** गोपाल ऑटो सेंटर 9827893203, **सूरजपुरः** आशा ऑटोमोबाईल्स 9826440096, **अकलतराः** श्री ऑटो 9424174274, **कोटाः** उर्मिला मोटर्स 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्सः 6268000180 / 8718888789, **रामानुजगंजः** प्रीति ऑटोमोबाईल 8827674000, **बाराद्वारः** दुर्गा ऑटो एजेंसी 8319982160, **उदयपुरः** बंसत ऑटोमोबाईल्स 9406022927, **तपकराः** प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, **प्रतापपुरः** तायल ऑटोमोबाईल्स 9617218005, **पटनाः** आयुश ऑटोमोबाईल्स 8839141926, **पालीः** आनंद ऑटोमोबाईल 7089519999, **राजपुरः** महामाया एजेंसी, 9516209272 / 9340726288, **मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी,** 7000316070, **सीपतः** मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, **महापालीः** साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, **लखनपुरः** पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, **बटौलीः** इच्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, **कुसमीः** बोल्बम ऑटो, 8120191597, **विश्रामपुरः** खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, **झरगांवः** ऐबानी मोटर्स, 7849000000, **रामानुजनगरः** जयसवाल ऑटो, 9926015773, **बलंगीः** नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, **भैयाथानः** आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, **प्रेमनगरः** मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, **लोरमीः** महेश मोटर्स, 7974700929, **खैरागढ़ः** पुष्पक बिक्री, 9425554343, **भानपुरीः** अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, **ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः** आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज 7771008601/9289922359, **जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः** ओरियन ऑटोव्हील्स 07752-252088, **अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः** बालाजी सर्विस स्टेशन 279600, **डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर** (सकरी) सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, **चम्पाः** आनंद हीरो 7909901444, **कोरबाः** शांति हीरो, 7440299000 **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः** सत्या हीरो 9289922464, **खड़गांवः** बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415.

RS/Hero/05/26

मेडिकल कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती, चार विभागों की अंतिम सूची जारी

26 मई को रायपुर में होगा दस्तावेजों का परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए सीजीपीएससी ने चार विभागों की अंतिम सूची जारी की है। मेरिट लिस्ट में शामिल अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण 26 मई को होगा। मुख्य प्रावीण्य सूची के साथ कुछ अभ्यर्थियों को वेटिंग में रखा गया है। इन्हें प्रथम उम्मीदवारों के नहीं आने पर मौका दिया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग मेडिकल कालेजों की व्यवस्था को दुरुस्त करने और खुलने वाले नए कालेजों को एनएमसी के मापदंड के अनुरूप लाने

पर्याप्त संख्या में फैकल्टी की व्यवस्था के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी कर रहा है। इसके लिए सीजीपीएससी के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर के भर्ती की जा रही है। पीएससी ने पैथोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस, रेडियोलॉजी तथा टीबी एंड चेस्ट विभाग की कमियों को दूर करने के लिए अंतिम मेरिट लिस्ट जारी कर दी है।जारी सूची में पैथोलॉजी के 7 पदों के लिए मुख्य सूची में 6 अनुपूरक में 1, रेडियोडायग्नोसिस में 10 पदों के लिए मुख्य सूची में 3 तथा अनुपूरक में 1, रेडियोलॉजी के 6 पदों में मुख्य सूची में 5 तथा अनुपूरक में 1 तथा टीबी एवं चेस्ट विभाग में 2 पद के लिए 2 अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी की गई है। इन अभ्यर्थियों को अपने दस्तावेजों के परीक्षण के लिए 26 मई को शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर में उपस्थित होने कहा गया है। नए शिक्षक मिलने के बाद चिकित्सा महाविद्यालयों की कमी काफी हद तक पूरी हो जाएगी।

नया कालेज में ज्वाइनिंग पर जोर

सूत्रों के मुताबिक चिकित्सा शिक्षा विभाग अभी राज्य में पांच नए चिकित्सा महाविद्यालय खोलने की कवायद कर रहा है। इन कालेजों विभिन्न नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आगामी शिक्षण सत्र में इन कालेजों को शुरू करने के लिए पर्याप्त संख्या में फैकल्टी की आवश्यकता होगी। माना जा रहा है कि चयनित उम्मीदवारों नए कालेजों में नियुक्ति दी जा सकती है।

पैथोलॉजी विभाग में चयनित सात महिला

पैथोलॉजी विभाग की जारी अंतिम चयन सूची मुख्य और अनुपूरक लिस्ट में कल 9 लोगों का नाम शामिल है। इनमें सात महिला उम्मीदवार है, दो मेल डाक्टर अनुपूरक सूची में अपनी जगह बना पाए है। वहीं टीबी एवं चेस्ट में दोनों मेल, रेडियोलॉजी विभाग में मेल-फीमेल अभ्यर्थियों की संख्या 3-3, रेडियोडायग्नोसिस विभाग में तीन पुरुष और एक महिला अभ्यर्थी शामिल है।

शासकीय विद्यालयों में दाखिले 30 जून तक

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दाखिले के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में छात्रों को 30 जून तक प्रवेश दिए जाएंगे। प्रवेश संबंधित प्रक्रिया 20 मई से प्रारंभ हो जाएगी। सर्वप्रथम स्कूलों को केचमेंट क्षेत्र का निर्धारण करना होगा। केचमेंट क्षेत्र का आशय उन क्षेत्रों से है, जो स्कूलों के आस-पास स्थित हैं तथा जहां के विद्यार्थियों की स्कूल में आने की संभावना अधिक है। समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को इसे प्रेषित करते हुए अन्य दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। आड्रॉपआउट विद्यार्थी या अन्य विद्यार्थी जिसने किसी कारणवश प्रवेश नहीं लिया है, उन्हें भी प्रवेश से वंचित ना रखने कहा गया है।

- स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

ऐसा है शेड्यूल

- 6वीं व 9वीं के लिए कैचमेंट क्षेत्र का निर्धारण - 20 मई तक
- पहली कक्षा के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से सूची प्राप्त करना - 20 मई तक
- 5वीं के विद्यार्थियों की सूची पूर्व माध्यमिक प्रधान पाठक को सौंपना - 20 मई तक
- 8वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची कैचमेंट क्षेत्र के प्राचार्य को सौंपा जाना - 20 मई तक
- विद्यार्थियों की एडमिशन सूची जारी करना -16 जून तक
- शेष एडमिशन पूर्ण करना - 30 जून तक
- अध्यापन समय सारिणी संस्था प्रमुख द्वारा जारी करना -16 जून तक

खबर संक्षेप

प्रदेश के 391 हजयात्री मुंबई से हज के लिए रवाना

रायपुर। हज-2026 के लिए मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय विमानतल से अब तक छत्तीसगढ़ राज्य के 391 हज यात्री हज-ए-बैतुल्लाह के लिए रवाना हो चुके हैं। हाजियों के मुंबई से प्रस्थान के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा हज हाउस में हाजियों की रिपोर्टिंग कराई गई एवं हजयात्रा के आवश्यक दस्तावेजों का वितरण हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग द्वारा किया गया। कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग एवं सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना महताब, गुलाम रहमान खान ने हज हाऊस से विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया। एयरपोर्ट पर भी हज हाऊस यात्रियों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई, जिससे हज यात्रियों का प्रस्थान सुगमता पूर्वक संपन्न हुआ। एंबारकेशन प्वाइंट से राज्य के हज यात्रियों का सुगमता पूर्वक प्रस्थान, समस्त व्यवस्थाओं का संपादन छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन के दिशा-निर्देशों व मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया।

डाक अदालत में आज सुलझेंगी समस्याएं

रायपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा स्टेशन रोड स्थित रायपुर गंज उपडाकघर परिसर के कार्यालय में 20 मई को डाक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम डाक सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों पर प्रत्यक्ष परिचर्चा करके उनका समाधान करने के लिए किया जाएगा। 'डाक अदालत' सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक लगाई जाएगी। डाक सेवाओं से संबधित समस्त शिकायतें जैसे डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएं, लघुबचत योजनाएं (आरडी, बचत बैंक, बचत पत्र इत्यादि) रजिस्ट्री, मनीआर्डर, वीपीपी पार्सल, एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, मनीआर्डर, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित शिकायतों का समाधान डाक अदालत में किया जाएगा।

नपं व नगरीय निकाय चुनावों के लिए आप प्रत्याशी घोषित

रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश में होने वाले आगामी नगर पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों के लिए अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। वह इन चुनावों को पूरी गंभीरता, संगठनात्मक मजबूती और जनता के मुद्दों के साथ लड़ेगी। दिल्ली के विधायक एवं आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के सहप्रभारी मुकेश अहलावत बीते दिनों छग प्रवास पर थे। इस दौरान कई बैठक हुई। प्रदेश पदाधिकारियों के साथ विस्तृत मंथन, स्थानीय समीकरणों, जनस्वीकृति एवं संगठनात्मक फीडबैक के आधार पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष उत्तम जायसवाल, अभिषेक मिश्रा एवं देवलाल नरेटी ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा, पार्टी द्वारा घोषित सभी प्रत्याशी ईमानदार छवि, जनसंघर्ष और जनता के मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता रखने वाले साथी हैं। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी क्षेत्र की जनता की आवाज को मजबूती से उठाते हुए विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसरोकारों की राजनीति को नई दिशा देंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जारी किए नए दिशा निर्देश

नालंदा के लिए लेंगे दान, पुस्तकों का महादान आमदनी के लिए खोली जाएंगी दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में एक नालंदा परिसर योजना को संचालित करने के लिए अब दान के रूप में राशि ली जाएगी। यही नहीं, इस लाइब्रेरी के लिए महादान के रूप में पुस्तकें लेंगे। इसके साथ ही नालंदा परिसर में स्थापित दुकानों से मिलने वाले मासिक किराए की राशि से इसका संचालन किया जाएगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएओ को आदेश जारी कर नालंदा परिसर योजना के संचालन के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका वित्तीय मॉडल है, जिसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी कोष के साथ-साथ जनभागीदारी और दान को मुख्य आधार बनाया गया है । दान और जन-सहयोग का वित्तीय प्रबंधन योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, नालंदा परिसर के संचालन और संधारण के लिए धन जुटाने हेतु व्यापक रणनीति बनाई गई है। दानदाताओं का योगदान- वित्तीय व्यवस्था के लिए सबसे पहला स्त्रोत दानदाताओं से प्राप्त दान को माना गया है ।

समिति द्वारा आम नागरिकों को पुस्तकों और आर्थिक सहयोग के लिए प्रेरित करने हेतु पुस्तक दान महादान अभियान निरंतर चलाया जाएगा । परिसर के समीप स्थापित दुकानों से प्राप्त होने वाले मासिक किराए को भी आय का स्त्रोत बनाया गया है । लाइब्रेरी के सदस्यों से लिए जाने वाले मासिक शुल्क से होने वाली आय भी प्रबंधन में उपयोग की जाएगी । इसके साथ ही जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ), सीएसआर मद, सरकारी अनुदान, और बैंक ऋण के माध्यम से भी राशि जुटाई जा सकेगी।

जिला स्तरीय समिति करेगी संचालन

इन केंद्रों के प्रबंधन के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे । जिला मुख्यालय के आयुक्त या मुख्य नगर पालिका अधिकारी इसके सदस्य सचिव होंगे और कलेक्टर के साथ संयुक्त रूप से बैंक खातों का संचालन करेंगे । यह समिति ही कर्मचारियों के मानदेय, रखरखाव और पुस्तकों के क्रय जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेगी।

दो मॉडल में तैयार होंगे परिसर

योजना के तहत दो तरह के वाचनालयों का निर्माण किया जाएगा। 500 सीटर मॉडलः निर्माण लागत 11.42 करोड़ और न्यूनतम 2 एकड़ भूमि । 250 सीटर मॉडल- निर्माण लागत 4.41 करोड़ और न्यूनतम 1 एकड़ भूमि । ये सभी निर्माण कार्य संबंधित नगरीय निकायों द्वारा किए जाएंगे, जिसकी भौतिक प्रगति के आधार पर शासन द्वारा राशि हस्तांतरित की जाएगी । डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा अध्ययन केंद्र-नालंदा परिसर में न केवल यूपीएससी,पीएससी, आईआईटी, एम्स और भर्ती परीक्षाओं के लिए मानक और रिफरेंस पुस्तकें होंगी, बल्कि एक हाई-स्पीड ई-लाइब्रेरी भी स्थापित की जाएगी।

कितने नालंदा परिसर की स्थापना की जानी है

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल देने हेतु कुल 34 नए 'नालंदा परिसर' (सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से 10 शहरों में 500-सीटर और 22 शहरों में 250-सीटर अत्याधुनिक लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन बनाए जा रहे हैं। रायगढ़ में एनटीपीसी के सहयोग से 700-सीटर सबसे बड़ा नालंदा परिसर बनाया जा रहा है। नालंदा परिसर न केवल बड़े शहरों बल्कि दूरस्थ और वनांचल इलाकों में भी खोले जा रहे हैं। इनमें रायपुर,बिलासपुर,दुर्ग और भिलाई,रायगढ़ (राज्य का सबसे बड़ा 700-सीटर)सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर, सूरजपुर, बैकुंठपुर और चिरमिरी,जशपुर और कुनकुरी, पेंड्रा और बलरामपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर शामिल हैं।

आमासिवनी इलाके में चाकू से गोदकर हत्या, 3 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में हत्या, चाकूबाजी की घटनाएं अब आम हो गई हैं। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद शहर में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लग नहीं पा रहा है। विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत आमासिवनी इलाके में सोमवार देर रात कुछ युवकों ने मिलकर एक युवक की चाकू एवं ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। हालांकि इस वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एक नाबालिग भी है। हत्या का कारण पैसों का लेनदेन बताया जा रहा है।

- पैसों के विवाद पर आरोपियों ने दिया वारदात को अंजाम

विधानसभा थाना पुलिस के अनुसार कचना निवासी सुकीत खांडे 31 वर्ष 18 मई की रात करीब डेढ़ बजे संतोषी मंदिर के पास खून से लथपथ अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला। आमासिवनी निवासी रुस्तम दास मानिकपुरी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर सुकीत को बेहोश एवं गंभीर अवस्था में अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत बताया। इस वारदात के बाद पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगालना शुरू किया। एक कैमरे में इस हत्या का फूटेज भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस ने राकेश गुप्ता, मोहम्मद अली, राजा एवं अन्य 3 आरोपियों की पहचान की है।

पैसों के लेनदेन पर हत्या

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपियों का सुकीत के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद था। घटना वाले दिन भी इसी बात को लेकर आरोपियों ने सुकीत के साथ विवाद किया और फिर पैसे नहीं देने पर पहले हाथ-मुक्का से उसके साथ मारपीट की और फिर ईंट और चाकू से उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस का दावा है कि इस वारदात में शामिल फरार अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

टिकरापारा में युवक पर जानलेवा हमला

टिकरापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत साहूपारा में भी सोमवार रात करीब 12.10 बजे एक व्यक्ति पर एक आरोपी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घायल बलराम शर्मा निवासी रायपुरा चौक डीडीनगर साहू मोहल्ला में एक घर के सामने खड़ा था। इसी बात को लेकर आरोपी आर्यन ठाकुर ने उसके साथ विवाद करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसे जख्म आया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है।

हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई, कर्मचारी सप्ताह में दो दिन घर से काम करेंगे

बिलासपुर। समर वेकेशन में सुनवाई के लिए हाईकोर्ट में नई व्यवस्था की गई है। इसमें ग्रीष्म अवकाश 2026 के दौरान उच्च न्यायालय में मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी, ताकि अनावश्यक आवाजाही कम हो। हालांकि अपरिहार्य कारणों से वर्चुअल मोड में शामिल नहीं हो पाने वाले अधिवक्ता भौतिक रूप से उपस्थित हो सकते हैं। न्यायालय उचित समझे तो भौतिक सुनवाई का निर्देश भी दे सकता है। इसके साथ ही तय किया गया है कि उच्च न्यायालय और जिला न्यायपालिका के कर्मचारी सप्ताह में 2 दिन तक घर से काम कर सकेंगे। इसके साथ ही कार्यालयीन कार्यों के लिए कम से कम 50% स्टाफ कार्यालय में मौजूद रहेगा। इसके साथ ही घर से काम करने वाले कर्मचारी फोन और अन्य आधिकारिक माध्यमों पर उपलब्ध रहेंगे।

- समर वेकेशन में सुनवाई के लिए हाईकोर्ट में नई व्यवस्था की गई

कार-पूलिंग का भी प्रोत्साहन

इसके अलावा राज्य के न्यायिक अधिकारियों, रजिस्ट्री अधिकारियों और मंत्रालयीन कर्मचारियों के लिए वाहन पूलिंग का प्रस्ताव भी रखा गया है। साथ ही ईंधन के बेहतर उपयोग करने आपस में कार-पूलिंग के लिए प्रोत्साहित किए गए हैं। इसमें एक ही वाहन को एक से ज़्यादा लोगों के बीच साझा करते हुए आफिस पहुंचा जा सकता है। नई व्यवस्था के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट की व्यवस्था संबंधित रजिस्ट्री अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से कहा गया है कि तकनीक के प्रभावी उपयोग, समन्वय और संस्थागत जिम्मेदारी से न्याय तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित किया जाएगा ताकि राष्ट्रहित में संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सके।

फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाने का मामला अब हाईकोर्ट पहुंचा

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के आबकारी अफसर राजेश हेनरी पर आपराधिक षड्यंत्र कर फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाने का मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने बिलासपुर के जिला स्तरीय जाति छानबीन समिति को जल्द जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। आबकारी अफसर राजेश हेनरी पर आपराधिक षड्यंत्र कर फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाने का आरोप है। आरोप है कि बिलासपुर में बने इस फर्जी प्रमाणपत्र के जरिए वह पिछले 35 साल से आबकारी विभाग में नौकरी कर रहे हैं। इस मामले में भोपाल निवासी प्रभात पांडे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसमें बताया कि मध्यप्रदेश के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त राजेश हेनरी ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी हासिल की है। उन्होंने इस संबंध में 22 जून 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन लंबे समय से यह मामला बिलासपुर की जिला स्तरीय जाति सत्यापन समिति के पास लंबित पड़ा है। याचिका में बताया गया कि सूचना के अधिकार के तहत ली गई जानकारी के अनुसार राजेश के प्रमाणपत्र में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर तहसील के सील और साइन मिले। लेकिन, जब बिलासपुर तहसील कोर्ट के दायरा पंजी में साल 1990-91 के प्रकरण की जानकारी ली गई, तब पता चला कि तहसील कार्यालय में उनके जाति प्रमाण पत्र का प्रकरण ही दर्ज नहीं है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि, छत्तीसगढ़ की उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने उनके अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र को जांच के लिए जिला स्तरीय समिति को भेजा था। लेकिन, दो साल से अफसर ने जांच के बहाने मामले को दबा दिया है। इसके चलते जांच लंबित पड़ी है।

कांप्लेक्स की लिफ्ट में भाजपा नेता चिमनानी सहित फंसे आधा दर्जन

रायपुर। राजधानी रायपुर के रजबंधा मैदान के एक कांप्लेक्स में मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाजपा नेता अमित चिमनानी सहित आधा दर्जन लोग लिफ्ट में फंस गए। करीब 15 मिनट तक सभी लिफ्ट में फंसे रहे। बाद में इनको लिफ्ट से बाहर निकाला गया। इस बीच भाजपा नेता ने लिफ्ट के अंदर से ही वीडियो जारी करके प्रबंधन पर लापरवाही करने का आरोप लगाया।

श्री चिमनानी ने बताया, वे अपने घर से करीब 12 बजे अपने आफिस पहुंचे और दूसरे फ्लोर पर अपने ऑफिस जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। लिफ्ट में छह लोग और थे। लिफ्ट ग्राउंड और पहले फ्लोर के बीच में ही फंस गई। लिफ्ट के बीच में रुकने के बाद लिफ्ट में सवार सभी परेशान हो गए। लोगों ने

कांप्लेक्स के प्रबंधन के साथ ही अपने-अपने दफ्तर में फोन करना प्रारंभ किया। 15 मिनट बाद सुरक्षा गार्ड की मदद से सभी को सुरक्षित लिफ्ट से बाहर निकाला गया। बड़ी मशक्कत करके लिफ्ट का दरवाजा खोला गया। इसके बाद लिफ्ट में सवार सभी जंप करके ग्राउंड फ्लोर पर उतरे। श्री चिमनानी ने बताया, कांप्लेक्स की लिफ्ट लगातार खराब हो रही है।

जल्द शुरू होगी सीएम हेल्पलाइन सेवा शिकायतों का सप्ताहभर में निराकरण

रायपुर। राज्य शासन ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा शुरू करने से पहले प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली है। जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को इसके लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1076 जारी करने की तैयारी है। वेबसाइट भी जारी की जाएगी, इनमें शिकायत करने पर सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचेगी।

- प्रशासनिक तैयारी पूरी, टोल फ्री नंबर 1076 के जरिए कर सकते हैं शिकायत

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत संचालित इस सिस्टम का उद्देश्य नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा समयबद्ध समाधान तय करने विश्वसनीय मंच प्रदान करना है। नई व्यवस्था में शिकायतों का निराकरण 7 दिन में करने का प्रयास रहेगा।

मुख्यमंत्री और उनका सचिवालय इसकी नियमित मॉनीटरिंग करेंगे, ताकि जनता को समय रहते राहत मिल सके। इस हेल्पलाइन का दूसरा पहलू यह भी है कि इसके जरिए कोई व्यक्ति सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी ले सकता है। पात्र हितग्राही को योजना का लाभ दिलाने के लिए मदद भी की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, सीएम हेल्पलाइन एक केंद्रीकृत और तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली के तौर पर तैयार की गई है। इसके माध्यम से नागरिक फोन, वॉट्सऐप , वेबपोर्टल, मोबाइल ऐप और लिखित आवेदन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को एक विशिष्ट नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे उसकी ट्रैकिंग संभव होगी।

चार स्तरीय सिस्टम से समाधान- शिकायतों के समाधान के लिए चार स्तरीय सिस्टम विकसित किया गया है। इसमें पहले ब्लॉक स्तर, फिर जिला स्तर, संभागीय स्तर तथा अंत में सचिव या विभागाध्यक्ष स्तर पर शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। निर्धारित समय-सीमा में समाधान नहीं होने की स्थिति में शिकायत स्वतः अगले स्तर पर प्रेषित हो जाएगी।

ज्वेलर्स से करोड़ों के जेवर पार, सीसीटीवी में ले जाते कर्मचारी की तस्वीर कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के सदर बाजार स्थित एक ज्वेलर्स दुकान के लॉकर से दो करोड़ से अधिक कीमत के सोने के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। इस घटना की रिपोर्ट ज्वेलर्स ने कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

स्टॉक मिलान के दौरान चोरी का चला पता- कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कंपनी ज्वेलर्स दुकान के संचालक सुरेश भंसाली हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 13 अप्रैल को स्टॉक मिलान किया। इस दौरान सोने के जेवर कम पाए गए। जांच में पता चला कि कुल 1495 ग्राम 670 मिलीग्राम सोना गायब है। सोना चोरी

को लेकर ज्वेलर्स में कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ भी की, लेकिन किसी ने जेवर के बारे जानकारी नहीं दी। इसके बाद उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज को खंगाला, जिसमें एक कर्मचारी जेवर ले जाते दिखाई दे रहा है। कर्मचारी का नाम सूरज साहू है, जो पिछले 16 साल से इस दुकान में कार्य कर रहा था।

डिस्प्ले जेवर को हर दिन लॉकर में रखता था आरोपी

पुलिस के अनुसार सूरज को दुकान संचालक ने डिस्प्ले में रखे गए सोने के जेवरों को हर रोज लॉकर में रखने की जिम्मेदारी दे रखी थी। 9 अप्रैल को सूरज ने जेवर डिस्प्ले से निकाले, लेकिन लॉकर में नहीं रखकर उसे अपने पास रख लिया। फूटेज में शाम करीब 4 बजकर 21 मिनट पर सूरज सोने के जेवर अपने साथ ले जाते दिखाई भी दे रहा है। आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी पतासाजी पुलिस कर रही है।

बिलासपुर
बुधवार 20 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 26, अंक : 59
पृष्ठ : 10+6= 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 41.9
न्यून. 29.6

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

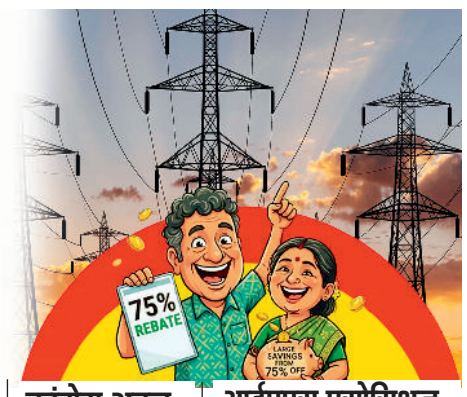

46 लाख रुपए का सरचार्ज हुआ माफ

विष्णु की योजना से आईएएस एसोसिएशन के भी वारे न्यारे, 65 लाख का बिजली बिल, 19 लाख में समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ता मुख्यमंत्री समाधान योजना का लाभ उठाकर अपना बकाया जमा कर रहे हैं। इस योजना में सरचार्ज को पूरी तरह से माफ कर दिया गया है। अब तक 600 करोड़ का सरचार्ज माफ किया गया है। कुल 758 करोड़ का सरचार्ज माफ किया जाना है। इस योजना का लाभ उठाते हुए बरसों से बकाया जमा न करने वाले आईएएस एसोसिएशन के 65 लाख के बिजली बिल का समाधान महज 19 लाख में हो गया है। एसोसिएशन का 46 लाख का सरचार्ज माफ हो गया है। इसी तरह से प्रदेश में अब तक 82 फीसदी उपभोक्ताओं ने इस योजना में पंजीयन करा लिया और अपना बकाया जमा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को अब तक 62 करोड़ रुपए पंजीयन से ही मिल गए हैं। प्रदेश भर के करीब 9 लाख बिजली उपभोक्ताओं पर करीब डेढ़ हजार करोड़ का बकाया है। इस बकाया को ये उपभोक्ता बरसों से जमा ही नहीं कर रहे हैं। इन उपभोक्ताओं में भारी संख्या में बीपीएल के उपभोक्ता भी हैं। इनकी बिजली कभी कट भी नहीं होती है ▶▶|शेष पेज 6 पर

अंबिकापुर नंबर वन

समाधान योजना का लाभ उठाने में अंबिकापुर पहले नंबर पर है। यहां के रीजन में 306171 उपभोक्ता बकायेदार हैं। इसमें ने 270118 ने पंजीयन करा लिया है। इनसे पंजीयन के रूप में साढ़े 21 करोड़ मिले हैं। इसके बाद बिलासपुर का नंबर है। इस रीजन में 224635 उपभोक्ता बकायेदार हैं। इनमें से 165792 ने पंजीयन कराया है। इनसे करीब 12 करोड़ मिले हैं। तीसरे नंबर पर रायपुर है। यहां पर एक लाख 17 हजार बकायेदार हैं। इनमें से 96 हजार ने पंजीयन करा लिया है। इनसे 9 करोड़ मिले हैं।

कांग्रेस भवन ने भी जमा किया बिल

राजधानी के बड़े बकायेदारों में कांग्रेस भवन का भी नाम था, लेकिन अब कांग्रेस भवन ने अपना बकाया बिल जमा कर दिया है। कांग्रेस भवन पर आठ लाख 48 हजार का बकाया था। इसमें आठ लाख 32 हजार रुपए का भुगतान कर दिया है। इसी तरह से एक आईएएस ने भी अपने 54 हजार का भुगतान किया है। इनका बकाया एक लाख 54 हजार था।

आईएएस एसोसिशन ने भी उठाया फायदा

समाधान योजना के आने के बाद इसका फायदा जहां आम उपभोक्ता उठा रहे हैं, वहीं राजधानी के आईएएस एसोसिएशन ने भी उठाया। यह एसोसिएशन बरसों से बिजली बिल जमा ही नहीं कर रहा था। इस पर 65 लाख 52 हजार 341 रुपए का बकाया हो गया था। ऐसे में एसोसिएशन ने भी समाधान योजना में अपना बिल जमा करने का काम किया। एसोसिएशन को सरचार्ज के 46 लाख 29 हजार 120 रुपए माफ हो गए तो उसका बिल मूल बिल 19 लाख 23 हजार 221 रुपए हो गया। इस बिल के साथ वर्तमान का भी कुल बिल एसोसिएशन ने जमा किया है। एसोसिएशन ने करीब 23 लाख का बिल पटाया है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹118715/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹144990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹158270/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand jewels
Pandri, Raipur

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सस्ते सोने का लालच देकर जौहरी से लूटे तीन लाख

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले में धोखेबाजों के एक गिरोह ने एक जौहरी को सोने का बिस्कुट बेचने का लालच देकर फंसाया। उस पर कथित रुप से हमला कर तीन लाख रुपए लूट लिए। मौके से भागते समय उनकी मोटरसाइकिल एक कार से टकरा गई, जिसके बाद दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में तीन-चार फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम खंडूरी का निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता भुवन चंद्र खंडूरी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार में पत्नी अरूणा, एक बेटा मनीष और बेटी रितु खंडूरी भूषण हैं। खंडूरी की बेटी और राज्य विधानसभा की अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण ने अपने पिता के निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि वयोवृद्ध नेता ने निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

सुप्रीम कोर्ट का बेहद सख्त रवैया, कहा- कुत्तों के डर के बिना जीना सबका हक

खतरनाक और रेबीज संक्रमित आवारा कुत्तों को 'जान से मारने' की अनुमति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर नसबंदी, टीकाकरण, सार्वजनिक जगहों पर उन्हें खाना न खिलाने जैसे अपने आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है। लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने हिदायत दी कि जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को डॉग लवर्स की याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट एक महत्वपूर्ण फैसले में मानव जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेबीज से संक्रमित, लाइलाज बीमारी से ग्रस्त या खतरनाक आवारा कुत्तों को 'जान से मारने' (यूथेनेशिया) की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने देश में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए कई निर्देश जारी किए। पीठ ने स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि आवारा कुत्तों को 'जान से मारने' का निर्देश स्थानीय निकायों और संबंधित अधिकारियों को जारी किए गए आदेशों में सबसे महत्वपूर्ण निर्देश है। सुप्रीम कोर्ट ▶▶|शेष पेज 6 पर

- कोर्ट ने कहा-जो अफसर निर्देश न माने, उस पर चलेगा अवमानना का केस

3 राज्यों में कुत्तों के काटने की घटनाएं गिनाईं

राजस्थान के श्री गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं।

तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में कुत्तों के काटने की लगभग 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं।

सूरत में एक जर्मन यात्री को कुत्ते ने काट लिया।

राज्यों की तय होगी जिम्मेदारी-जवाबदेही

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारों की की जिम्मेदारियों को तय करने के लिए रूल बनाना जरूरी है। इंसान के गरिमा के साथ जीने के अधिकार में कुत्ते के काटने के हमले से होने वाले नुकसान के डर के बिना आजादी से जीने का अधिकार शामिल है। सरकारें खामोश रहकर जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। सुप्रीम कोर्ट उन जमीनी हकीकतों से अनजान नहीं रह सकता, जहां बच्चे, विदेशी यात्री, बुजुर्ग कुत्ते के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं।

क्या है स्ट्रे डॉग्स पर एबीसी फ्रेमवर्क

कोर्ट ने कहा कि वो आवारा कुत्तों को लेकर वो ये बात नजरअंदाज नहीं कर सकती कि एबीसी फ्रेमवर्क 2001 में 25 साल पहले बना था, लेकिन आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी के हिसाब से संसाधनों को बढ़ाने और उनकी संख्या में कमी की कोशिशें अधूरी रही हैं। संस्थाएं और एजेंसियां पर्याप्त कदम नहीं उठा पाई हैं। बिना योजना के नसबंदी और वैक्सीनेशन अभियान चलाए गए।

सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन

- आवारा कुत्तों की स्टरलाइजेशन (नसबंदी) और टीकाकरण जरूरी
- नगर निगमों आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी, टीकाकरण का काम करेगा
- सामान्य स्वस्थ कुत्तों को स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन के बाद उसी क्षेत्र में छोड़ा जाए जहां से उन्हें पकड़ा गया था
- खूंखार रेबीज संक्रमित कुत्ते वापस नहीं छोड़े जाएंगे, उन्हें शेल्टर होम में रखा जाएगा
- संक्रमित और खतरनाक व्यवहार वाले कुत्तों के लिए शेल्टर तैयार किया जाए
- खुले स्थानों, गली या सड़क पर आवारा कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकता
- आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए हर जगह फीडिंग जोन बनाया जाए, वहां बोर्ड, व्यवस्था होगी

आज नहीं मिलेंगी दवाइयां

केमिस्टों की छत्तीसगढ़ समेत देशभर में हड़ताल

- सरकारी, निजी अस्पतालों, जन औषधि, धनवंतरी के मेडिकल खुले रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ छत्तीसगढ़ समेत देशभर के केमिस्ट 20 मई को अपना व्यापार बंद रखेंगे। इस दौरान होने वाली किसी भी प्रकार की इमरजेंसी में एसोसिएशन के कार्यालय से जरूरी मदद प्राप्त की जा सकेगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम की निगरानी में सरकारी एवं निजी अस्पतालों, जन औषधि केंद्रों धनवंतरी की दवा दुकानें खुली रहेंगी। इसके बाद भी विपरीत स्थिति निर्मित होने पर एफडीए के कार्यालय में संपर्क कर मदद ली जा सकती है। कोविड काल के दौरान ऑनलाइन फार्मेसी की दी गई सुविधा को वापस लेने की मांग पर विभिन्न केमिस्ट संघों ने देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। हड़ताल के दौरान आवश्यक दवा अथवा अन्य सर्जिकल सामग्रियों के कारण जनस्वास्थ्य पर विपरीत असर ▶▶|शेष पेज 6 पर

दवा कारोबारियों का तर्क

जिला दवा विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष अश्विनी विग ने कहा कि अनियंत्रित ई फार्मेसी संचालन एवं अत्यधिक छूट आधारित व्यापार व्यवस्था से पारंपरिक औषधि वितरण प्रणाली प्रभावित हो रही है। इससे छोटे और मध्य दवा विक्रेताओं के समक्ष ▶▶|शेष पेज 6 पर

मोबाइल फोन, लैपटॉप, हाथ से लिखे नोट्स जब्त

नीट पेपर लीक : सीबीआई ने नागपुर में दो छात्रों के घरों पर की छापेमारी

नागपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के तहत नागपुर में दो छात्रों के घरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को सेंट्रल एवेन्यू और इतवारी इलाके में स्थित उनके घरों की तलाशी के दौरान जांच एजेंसी ने मोबाइल फोन, लैपटॉप, हाथ से लिखे नोट्स और अन्य डिजिटल उपकरण जब्त किए, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, ये दोनों छात्र इस साल नीट परीक्षा में शामिल हुए थे।

पुणे बुलाया फिर साझा किए प्रश्न

जांचकर्ताओं को शक है कि चुनिंदा छात्रों को परीक्षा से पहले पुणे बुलाया गया, जहां कथित तौर पर प्रश्नपत्र और उनके उत्तर साझा किए गए। सीबीआई अब कॉल रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और डिजिटल सबूतों की पड़ताल कर रही है, ताकि इस पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों का पता लगाया जा सके। फिलहाल छात्रों को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

संदिग्ध हालात में मिला शव

बांग्लादेश के भारतीय मिशन में तैनात अधिकारी की मौत

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के एक अधिकारी की मौत हो गई है। उनकी लाश चटगांव में इंडियन हाई कमीशन के मिशन परिसर में मिली है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सिर्फ़ नरेंद्र के तौर पर हुई है, जो असिस्टेंट सिक्योरिटी प्रोटोकॉल ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे थे। वह हरियाणा के रहने वाले थे। उनकी मौत के वजहों की जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

पीएम के लिए भेजा शव

पुलिस ने बॉडी को ऑटोप्सी के लिए चटगांव मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के मुर्दाघर भेज दिया। जांच में अभी तक कोई अजीब बात नहीं मिली है, लेकिन सही कारण पोस्टमॉर्टम से ही पता चल पाएगा।

महंगाई का हवाला देते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने शासन को लिखा था खत

सरकारी स्कूलों में भी पढ़ाई महंगी, लैब व स्पोर्ट्स फीस सहित परीक्षा शुल्क में वृद्धि

रायपुर। यदि आपके बच्चे शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं तो उनके लिए भी अब आपको जेब ढीली करनी होगी। शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से परीक्षा शुल्क में वृद्धि कर दी गई है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। दसवीं कक्षा में अब प्रति छात्र 90 रुपए ▶▶|शेष पेज 6 पर

- शासन ने दी फीस बढ़ाने की अनुमति, लागत वृद्धि का दिया हवाला

जानिए किस मद मे कितनी वृद्धि

कक्षा-नवमी व दसवीं

मद	पहले	अब
कार्यकलाप	50 रुपए	65 रुपए
निर्धन छात्र सहायता राशि	10 रुपए	15 रुपए
विज्ञान क्लब	20 रुपए	25 रुपए
बलचर निधि	50 रुपए	60 रुपए
रेडक्रॉस निधि	30 रुपए	बदलाव नहीं
क्रीड़ा निधि	50 रुपए	65 रुपए
विज्ञान प्रायोगिक शुल्क	50 रुपए	65 रुपए
परीक्षा शुल्क	150 रुपए	175 रुपए
योग	410 रुपए	500 रुपए

कक्षा-ग्यारहवीं व बारहवीं

मद	पहले	अब
कार्यकलाप	50 रुपए	75 रुपए
निर्धन छात्र सहा. राशि	10 रुपए	15 रुपए
विज्ञान क्लब	20 रुपए	30 रुपए
बलचर निधि	50 रुपए	60 रुपए
रेडक्रॉस निधि	30 रुपए	बदलाव नहीं
क्रीड़ा निधि	65 रुपए	75 रुपए
विज्ञान प्रायोगिक	70 रुपए	85 रुपए
परीक्षा शुल्क	150 रुपए	180 रुपए
योग	445 रुपए	550 रुपए

महंगाई बढ़ गई, इसलिए वृद्धि- फीस बढ़ोत्तरी के पीछे महंगाई बढ़ने का हवाला दिया गया है। आदेश के अनुसार, प्राचार्यों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाली गतिविधियों के संचालन तथा वर्तमान परिदृश्य में परीक्षा सामग्री, क्रीड़ा सामग्री एवं विज्ञान प्रयोगशाला सामग्री की लागत में वृद्धि हो गई है। इसे देखते हुए स्थानीय शुल्क में आंशिक वृद्धि करने की मांग की गई थी।

परिचम एशिया संकट का दिख रहा असर

एक सप्ताह में दूसरी बार वृद्धि पेट्रोल-डीजल 90 पैसे महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि सरोकार

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, ईंधन के दाम बढ़ने के बाद नयी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई जो पहले 97.77 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं डीजल की कीमत 90.67 रुपए से बढ़कर 91.58 रुपए हो गई।

शहरों में दाम प्रति लीटर

शहर	पेट्रोल	डीजल
रायपुर	104.46 रुपए	97.51 रुपए
मुंबई	107.59 रुपए	94.08 रुपए
कोलकाता-	109.70 रुपए	96.07 रुपए
चेन्नई -	104.49 रुपए	96.11 रुपए

पेट्रोल में अब होगा ई-30 इथेनॉल

देश में पेट्रोल को लेकर एक बड़ा बदलाव आने की तैयारी शुरू हो चुकी है। भारत सरकार अब पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा और ज्यादा बढ़ाने की तैयारी की है। अब सरकार ई-22 से लेकर ई-30 तक के नए फ्यूल ब्लेंड की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

हर दिन 750 करोड़ रुपए का नुकसान

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को कहा था कि 15 मई को हुई बढ़ोतरी से नुकसान में लगभग एक चौथाई की कमी आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अब भी प्रतिदिन लगभग 750 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही हैं। विभिन्न राज्यों में मूल्य वर्धित कर (वैट) में अंतर के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि की तुलना में बढ़ाया गया मूल्य कम है। इसके बाद भी खुदरा ईंधन विक्रेताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। क्रिसिल के अनुसार, तेल कंपनियों को 15 मई को मूल्य वृद्धि के बाद पेट्रोल पर लगभग 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर का नुकसान है।

चिंतन

आम लोगों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि

देश में आवारा कुत्तों का मुद्दा अब आम लोगों की सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक आवारा कुत्तों को जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया यानी दया मृत्यु (जहर का इंजेक्शन) देने की अनुमति दी गई है, एक कठोर लेकिन आवश्यक कदम माना जाना चाहिए। यह फैसला उन लोगों को कठोर लग सकता है जो पशु अधिकारों की पैरवी करते हैं, लेकिन अदालत ने साफ कर दिया है कि देश में इंसानों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि है। लावारिस कुत्ते लगातार बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को निशाना बनाते रहे हैं। इनके लिए शेल्टर होम बनाने और नसबंदी का जिम्मा राज्य सरकारों पर है, लेकिन राज्यों में जिस तरह के हालात हैं, उसमें यह कार्य उस तरह से नहीं हो पा रहा, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा फैसला लेना पड़ा। लावारिस कुत्ते खतरनाक भले ही न हों, लेकिन कई प्रकार से लोगों को नुकसान जरूर पहुंचाते हैं। कई बार दो पहिया वाहन चालक इनके कारण हादसों का शिकार हो जाते हैं। कुत्तों से डरने वाले लोग भी इन्हें देखकर हड़बड़ा जाते हैं और हादसों का शिकार हो बैठते हैं। कुत्तों के काटने की खबरें भी आम हैं। बीते कुछ वर्षों में देश के लगभग हर बड़े शहर और कस्बे में आवारा कुत्तों की समस्या विकराल होती गई है। कई मामलों में छोटे बच्चों के चेहरे तक बुरी तरह नोच दिए गए। तमिलनाडु में केवल चार महीनों में करीब दो लाख डॉग बाइट के मामले सामने आना यह बताने के लिए काफी है कि स्थिति कितनी गंभीर हो चुकी है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक महीने में 1084 लोगों को कुत्तों ने काटा। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं आम हैं। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता की भयावह तस्वीर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल सही कहा कि गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह भी शामिल है कि लोग सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर बिना भय के चल-फिर सकें। यदि कोई बच्चा स्कूल जाते समय आवारा कुत्तों के झुंड से डरता है या कोई बुजुर्ग सुबह की सैर पर निकलने से घबराता है, तो यह सीधे-सीधे नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। असल सवाल यह है कि वर्षों से चल रही नसबंदी और टीकाकरण योजनाएं आखिर प्रभावी क्यों नहीं हो सकीं। राज्य सरकारें और नगर निगम अक्सर बजट, संसाधनों और कर्मचारियों की कमी का बहाना बनाते रहे हैं। नतीजा यह हुआ कि आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती गई। कई शहरों में एबीसी सेंटर यानी एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर नाम मात्र के रह गए। कोर्ट ने अब हर जिले में प्रभावी एबीसी सेंटर बनाने और जरूरत के अनुसार उनकी संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस पूरे विवाद में पशु प्रेमियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सड़क किनारे कुत्तों को खाना खिलाना मानवता हो सकती है, लेकिन यदि वही कुत्ते बाद में राहगीरों पर हमला करें तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? अदालत ने सार्वजनिक स्थानों पर फीडिंग पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया कि संवेदनशीलता और जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इन जानवरों के प्रति इतना ही समर्पित है, तो उन्हें अपने संरक्षण में रखने की व्यवस्था भी करनी चाहिए। अब यह सवाल उन पशु प्रेमियों के लिए है कि वे इन बेजुबान जानवरों के लिए क्या कर सकते हैं। अब ऐसे जानवरों को बचाने वाले पशु प्रेमी या तो इन्हें अपने पास रखें या फिर प्रशासन ऐसे खतरनाक कुत्तों को जहर के इंजेक्शन दे सकता है।

समस्या

मनोज कुमार अग्रवाल

ग्लोबल वार्मिंग से बिगड़ते हालात : कब जागेगा इंसान

वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक जीव यहां तक कि वनस्पति भी त्रस्त है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। चूंकि यह एक शुरुआत भर है, इसलिए अगर हम अभी से नहीं संभले तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है। वैज्ञानिक अनुसंधान की रिपोर्ट बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से उष्मा प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल से गुजरती हुईं धरती की सतह से टकराती हैं और फिर वहीं से परावर्तित होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं। इससे धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण बना लेती हैं। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। गौरतलब है कि मनुष्यों, प्राणियों और पौधों के जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्सियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी होने पर यह आवरण और भी सघन होता जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और फिर यहीं से ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव शुरू हो जाता है। ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। मनुष्य जनित मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डाइऑक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन ऑक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है, जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से कार्बन डायआक्साइड में बढ़ोतरी हो रही है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा विनाश इसकी दूसरी वजह है। जंगल कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं, लेकिन जंगलों की बेतहाशा कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी हमारे हाथ से छूटता जा रहा है। इसकी एक अन्य वजह सीएफसी है जो रेफ्रीजरेटर्स, अग्निशामक दमकल यंत्रों इत्यादि में इस्तेमाल की जाती है। यह धरती के ऊपर बने एक प्राकृतिक आवरण ओजोन परत को नष्ट करने का काम करती है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली घातक पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र हो चुका है जिससे पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर पहुंच रही हैं और इस तरह से उसे लगातार गर्म बना रही हैं। आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग में और बढ़ोतरी ही होगी। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर कई दशकों से वैज्ञानिक चिंता जाहिर कर रहे थे, लेकिन सरकार और आम जनता दोनों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इस साल मार्च से ही भीषण गर्मी शुरू हो गई थी। अब तो भारत के ही कई शहरों में पारा 50 डिग्री के आसपास है। माना जा रहा है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही पशु-पक्षी और वनस्पतियां धीरे-धीरे उत्तरी और पहाड़ी इलाकों की ओर प्रस्थान करेंगे, लेकिन इस प्रक्रिया में कुछ अपना अस्तित्व ही खो देंगे। इस बीच एक और चिंताजनक खबर सामने आई है। इसमें कोई शक नहीं है कि गर्मी बढ़ने से ठंड भगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली ऊर्जा की खपत में कमी होगी, लेकिन इसकी पूर्ति एयर कंडिशनिंग में हो जाएगी। घरों को ठंडा करने के लिए भारी मात्रा में बिजली का इस्तेमाल करना होगा। बिजली का उपयोग बढ़ेगा तो उससे भी ग्लोबल वार्मिंग में इजाफा ही होगा। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटा जा सकता है। बशर्ते इसके लिए हमें कई प्रयास करने होंगे। इसके तहत हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम करना होगा। सोलर सिस्टम भी वातावरण को उष्मा दे रहे हैं। अनुसंधान बता रहे हैं कि जिन शहरों में सोलर सिस्टम अधिक हैं, वहां का तापमान तुलनात्मक एक से दो सेल्सियस बढ़ जाता है। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। हम सभी भी पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इससे भी ग्लोबल वार्मिंग के असर को किया जा सकता है। तकनीक का विकास कर हमें ऐसे रेफ्रीजरेटर्स बनाने होंगे जो सीएफसी का उपयोग न करें। अब भी नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इटली और भारत
नरेंद्र मोदी, जॉर्जिया मेलोनी

इंडो-भूमध्य रणनीतिक साझेदारी

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें।

इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक, जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है, को भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह केवल दो व्यवस्थाओं का साधारण मेल नहीं है, बल्कि ऐसा साझा मूल्य निर्माण है जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को और अधिक मजबूत बनाती हैं। यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। "मेड इन इटली" हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, और आज इसका स्वाभाविक तालमेल "मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी-जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, एक सकारात्मक संकेत है। यह हमारी सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेज़ी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या, तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता, इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को

स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसे मजबूती देगी। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों, के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है। इटली और भारत लंबे समय से इस दिशा में सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो। भारत और इटली एआई को समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम भी मानते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आसान, बहुभाषी तकनीकों के जरिए एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है, न कि उन्हें और बढ़ा सकता भारत के मानव विज्ञन-यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित "एल्गोर-एथिक्स" की अवधारणा, जो उसकी मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बने। हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है। एआई को इंसानों की ओर से इंसानों के लिए बनाई गई तकनीक मानने का अर्थ है यह स्पष्ट करना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है। इसका उपयोग जनमत को प्रभावित करने या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं होना चाहिए। आज की तेजी से जुड़ी हुई दुनिया में स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा का हमारा दृष्टिकोण इसी चुनौती पर आधारित है। हमारा सहयोग अंतरिक्ष क्षेत्र तक भी फैला हुआ है। अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और स्थिरता बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति में 'धर्म' का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

वहीं 'वसुधैव कुटुंबकम' अर्थात "पूरी दुनिया एक परिवार है" का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में और भी अधिक प्रासंगिक लगता है। ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं। यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है। इसलिए हमारी साझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए भारत-इटली साझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है।

(लेखक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और जॉर्जिया मेलोनी इटली गणराज्य मंत्रिपरिषद की अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

समस्याएं तो आती-जाती रहेंगी, रुकना नहीं चाहिए

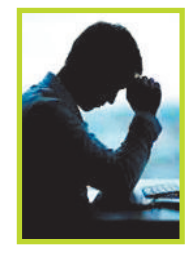

संकलित
प्रेरणा

एक व्यक्ति बहुत दुखी था। उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी, पूरे घर की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। बहुत मेहनत करने के बाद भी उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही थीं। वह निराश रहने लगा था। एक दिन उस व्यक्ति को एक विद्वान संत मिले। व्यक्ति ने संत से कहा कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं। मुझे अपना शिष्य बना लीजिए।संत ने कहा कि ठीक है, तुम शिष्य बन जाना, लेकिन पहले अपनी परेशानी बताओ। शिष्य ने कहा कि गुरु जी मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती है और उससे पहले ही दूसरी सामने आ जाती है। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। किसी भी काम में सफलता नहीं मिल पाती है, घर की भी समस्याएं बनी रहती हैं। गुरु ने कहा कि तुम मेरे साथ चलो। वह व्यक्ति संत के साथ चल दिया। कुछ देर में संत और शिष्य पास की नदी के किनारे पहुंच गए। किनारे पर पहुंचकर गुरु ने कहा कि हमें ये नदी पार करनी है। इतना कहकर संत किनारे पर ही खड़े हो गए। शिष्य भी गुरु के साथ खड़ा रहा। कुछ देर बाद शिष्य ने कहा कि हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं? गुरु ने कहा कि हम इस नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, जब ये सूख जाएगी, हम इसे आसानी से पार कर लेंगे। ये बात सुनकर शिष्य बहुत हैरान हो गया। वह बोला कि गुरु जी ये कैसी बात कर रहे हैं? नदी का पानी कैसे और कब सूखेगा। हमें नदी को इसी समय पार करनी होगी। संत ने कहा कि मैं तुम्हें यही बात समझाना चाहता हूं। जीवन में भी समस्याएं आती-जाती रहेंगी। हमें सकारात्मक रहना चाहिए।

अंतर्मन

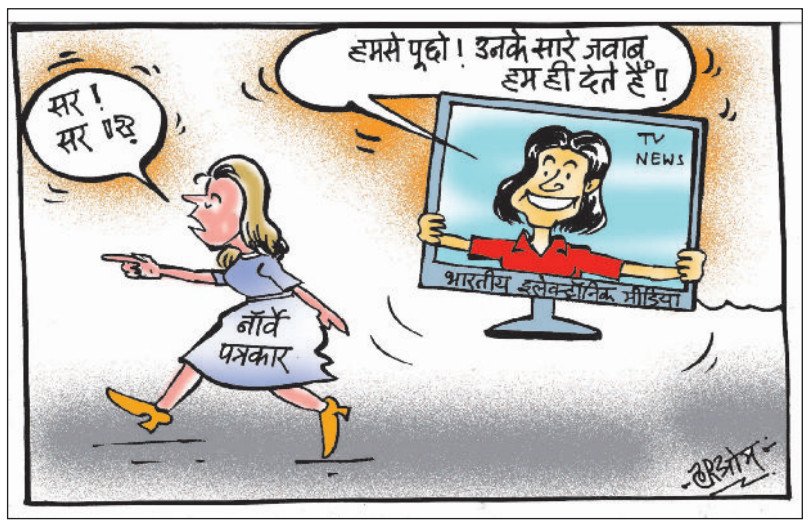

आज की पाती

मजबूत पंचायत, विकसित गांव

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। आज भी देश की एक बड़ी आबादी गांवों में निवास करती है और गांवों का विकास ही देश के समग्र विकास की पहचान माना जाता है। जब गांव मजबूत होंगे, तभी भारत आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। गांवों के विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी पंचायती राज व्यवस्था है। पंचायत केवल एक प्रशासनिक संस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वह मजबूत नींव है, जिसके सहारे गांव की समस्याओं का समाधान, विकास योजनाओं का संचालन और जनता की आवाज़ को शासन तक पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसलिए कहा जाता है कि 'मजबूत पंचायत, विकसित गांव-हर वोट है देश की शान।' यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। इसलिए मतदान बहुत जरूरी है। *- गौरव वर्मा, बिलासपुर*

ट्रेंड

दिवंगत आत्मा को नमन

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता भुवन चंद्र खंडूरी का निधन उत्तराखंड और भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें।
-**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

भयंकर आर्थिक तूफान

हमारे सिर पर एक भयंकर आर्थिक तूफान मंडरा रहा है। 12 वर्षों में, मोदी जी ने जो ढांचा खड़ा किया, वह केवल अडानी और अंबानी के लिए था। और अब, वही ढांचा ढहने वाला है। इसका असर युवाओं, गरीबों, मध्यम वर्ग, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों पर ही पड़ेगा।
-**राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

सहयोग शिविर

प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सभी पंचायतों में 'सहयोग शिविर' आयोजित किए जाएंगे, जहां लोग अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान पा सकेंगे। जनसेवा, समस्याओं का समाधान और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता प्राथमिकताएं हैं।
- **सम्राट चौधरी**, सीएम, बिहार

गंभीरता से जांच हो

उत्तर प्रदेश की बेटी और मध्य प्रदेश के भोपाल में दहेज हत्या का मामला, इस घटना की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और पीड़ित पक्ष को न्याय मिलना चाहिए। जब दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, तो कार्रवाई न करने का क्या कारण है?
- **अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

करंट अफेयर

चिनफिंग ने 'थ्यूसाइडिडेस ट्रैप' से ट्रंप को किया आगाह

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 15 मई को डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई शिखर वार्ता के दौरान ईसा-पूर्व पांचवीं शताब्दी के यूनानी इतिहासकार थ्यूसाइडिडेस का उल्लेख करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति को परोक्ष रूप से चेतावनी दी। शी ने अपने शुरुआती संबोधन में कहा, "दुनिया एक नए मोड़ पर आ खड़ी हुई है। क्या चीन और अमेरिका तथाकथित 'थ्यूसाइडिडेस ट्रैप' से ऊपर उठकर महाशक्तियों के संबंधों का नया प्रतिमान विकसित कर सकते हैं?" इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति में थ्यूसाइडिडेस का उल्लेख खूब हुआ है। जनवरी में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 'मेलियन डायलॉग' की प्रसिद्ध पंक्ति -शक्तिशाली वही करते हैं जो कर सकते हैं और कमजोर वही सहते हैं जो उन्हें सहना पड़ता है- का हवाला देते हुए नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के कमजोर पड़ने की चेतावनी दी थी। अन्य टिप्पणीकारों ने वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों का वर्णन करने के लिए भी इस उद्धरण का इस्तेमाल किया, कुछ ने समर्थन में और कुछ ने आलोचना के तौर पर। हालांकि, शी ने थ्यूसाइडिडेस के उस विश्लेषण की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने एथेंस और स्पार्टा के बीच हुए पेलोपोनेसियन युद्ध का सबसे वास्तविक कारण बताया था।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक "क्विट सिग्नल" बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

'भारत पर दुनिया क्यों भरोसा करे, क्या भारत में मानवाधिकार उल्लंघन बंद होंगे, दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस के सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्या प्रधानमंत्री मोदी मीडिया के मुश्किल सवालों का जवाब देना शुरू करेंगे'? यह वो चंद सवाल हैं, जिन्हें नार्वे के एक प्रमुख समाचार पत्र 'डॉगस विसन' की एक महिला पत्रकार हेले लिंग बीते सोमवार को ओस्लो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बेहद आक्रामकता के साथ पूछना चाह रही थी।

'जाओ कोर्ट जाओ' भारत एक देश नहीं, पांच हजार साल पुरानी सभ्यता

नार्वे की पत्रकार की भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

हरिभूमि न्यूज:नई दिल्ली

पीएम ने नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य देने के बाद ही अपनी बात को समाप्त कर दिया और वह कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल गए। जिससे झल्लाई लिंग ने कहा, पीएम मोदी ने मेरा सवाल नहीं लिया, इसकी मुझे उम्मीद नहीं थी। नार्वे प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में दुनिया में शीर्ष स्थान पर काबिज है। जबकि भारत इस मामले में 157 वें स्थान पर है।

भारत में बवाल, आई लिंग की सफाई : उधर, भारत में भी इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर खूब बवाल मचा। कई यूजर्स ने हेले लिंग को ट्रोल भी किया। मामले पर विवाद बढ़ता देख हेले ने एक और वीडियो अपलोड करते हुए अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि मैं, किसी विदेशी सरकार की जासूस नहीं हूं। मेरा काम सिर्फ और सिर्फ पत्रकारिता करने का है। जिसमें कई बार टकराव होते हैं। लेकिन हमें पहले से तैयार किए गए जवाबों पर संतोष करने के बजाय कई बार सच्चे, स्पष्ट जवाब मांगने चाहिए।

भारतीय अफसरों से भी सवाल पूछने के बहाने भिड़ गई

पीएम मोदी से सवाल पूछने के बाद, आयोजित की गई विदेश मंत्रालय की मीडिया ब्रीफिंग में भी हेले ने अपना यही रुख कायम रखा और वो मंत्रालय के अधिकारियों से सवाल पूछने के बहाने भिड़ गई। लेकिन उनके हाथ केवल निराशा ही लगी। नार्वे की इस पत्रकार ने सोशल मीडिया में एक वीडियो शेयर किया था। जिसे टैग करते हुए विदेश मंत्रालय ने उन्हें मीडिया ब्रीफिंग में बुलाया था। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों पांच देशों की विदेश यात्रा पर हैं। जिसका चौथा पड़ाव नार्वे है। इससे पहले वह नीदरलैंड में थे और वहां पर भी उन्होंने संबंधित देश के राष्ट्राध्यक्ष के साथ उच्च-स्तरीय बैठक के बाद केवल साझा प्रेस बयान तक ही अपने आप को सीमित रखा था। नीदरलैंड की प्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मीडिया के सवाल न लेने के मुद्दे को उठाया था।

इसलिए भरोसेमंद देश है भारत

हेले के तमाम सवालों का तस्सली के साथ जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा कि भारत सिर्फ एक देश नहीं बल्कि पांच हजार साल पुरानी सभ्यता है। जो लगातार बनी हुई है। दुनिया में किसी देश विशेष की पहचान उसके क्षेत्र, जनसंख्या, संप्रभुता और सरकार के आधार पर की जाती है। भारत अपने इन सभी मूल्यों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने वैश्विक कोरोना महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि उस मुश्किल दौर में भी भारत ही था। जो कहीं भागा नहीं था और उसने आगे बढ़कर जरूरतमंद देशों को मदद प्रदान की थी। हमारा यही भरोसा विश्व को हम पर विश्वास करना सिखाता है। दुनिया की आबादी का छठा भाग भारत ही है। लेकिन अगर हम वैश्विक समस्याओं को देखें तो इन्हें लेकर हमारी भागीदारी छठे भाग के रूप में नहीं है।

सवाल पूछने वाला तय नहीं करेगा जवाब

जॉर्ज के जवाब देते वक्त भी नार्वे की पत्रकार ने तल्ख लहजे में फिर से अपने तमाम सवालों की बौछार उन पर शुरू कर दी। जिस पर सख्त लहजे के साथ उन्हें बीच में टोकते हुए मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस विदेश यात्रा से संबंधित जानकारी देने का दायित्व मेरा है, जिसे मैं नियमित रूप से पूरा कर रहा हूं। आप मुझे बीच में मत टोकिए, मैं इस मीडिया ब्रीफिंग में भी अपना काम कर रहा हूं। आपको बतौर पत्रकार के रूप में सवाल पूछने का अधिकार है। जो कि आपने किया, लेकिन उसका जवाब किस तरह से दिया जाएगा। यह आप तय नहीं करेंगी। इसके बाद जॉर्ज ने कहा, हमारे देश में समानता का अधिकार लागू है। जिसके तहत प्रत्येक नागरिक को अधिकार मिले हैं। अगर किसी के अधिकारों का हनन होता है तो उसके सामने अदालत जाने का विकल्प खुला हुआ है। हमें अपने लोकतंत्र पर गर्व है।

खबर संक्षेप

ट्रंप के हाथ में है मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' : राहुल

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता (कांग्रेस) राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए मंगलवार को दावा किया कि मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है। रायबरेली और अमेठी के अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन गांधी ने प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि मोदी देश के किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों से इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने को कहते हैं जबकि लोगों को नौकरी और खाना तक भी नहीं मिल पा रहा है।

एनजीटी समेत सभी ट्रिब्यूनल के चीफ का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी ट्रिब्यूनल अध्यक्षों, प्रेसिडेंटों और सदस्यों का कार्यकाल 8 सितंबर तक बढ़ा दिया। यह फैसला ट्रिब्यूनल के कामकाज को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए लिया गया है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने एक लंबित मामले की सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। इस मामले का जिक्र नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सदस्य के संदर्भ में किया गया था, जिनका कार्यकाल जून में खत्म होने वाला है। उनका कार्यकाल भी 8 सितंबर तक बढ़ा दिया गया।

कैब-डिलीवरी के लिए पेट्रोल डीजल गाड़ियों पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए हरियाणा सरकार ने एक बहुत बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में 'हरियाणा मोटर वाहन नियम, 1993' में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी गई। इसके तहत अब गुरुग्राम, फरीदाबाद समेत एनसीआर के इलाकों में एग्रीगेटर्स, डिलीवरी सर्विस देने वालों और ई-कॉमर्स कंपनियों के बेड़े में नई पेट्रोल या डीजल गाड़ियों को शामिल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

ईरानी संसद में लाया जा रहा है कानून

ईरान ने दी ट्रंप और नेतन्याहू की 'सुपारी' हत्या करने वाले को मिलेगा 500 करोड़

अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध बीते 80 दिनों से जारी है। भले ही दोनों देशों कर बीच सीजफायर लागू हुआ हो, लेकिन कभी भी जंग दोबारा भड़क सकती है। इसकी वजह है अमेरिका और ईरान की तरफ से जारी भड़काऊ बयानबाजी। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को घड़ी की टिक टिक चलने की धमकी देते हैं, कभी ईरान अमेरिका को हार का तंज कस देता है। इस बीच अब ईरान एक ऐसा कदम उठाने जा रहा है जिससे अमेरिका और इजरायल दोनों का ही पारा हाई हो सकता है। ईरान अब डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जान से मारने वालों को इनाम देने का घोषणा करने जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की संसद जल्द ही एक ऐसा कानून लाने जा रही है। इसके तहत ट्रंप और नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 5 करोड़ यूरो यानी करीब 500 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के अध्यक्ष इब्राहिम अजीजी ने बताया कि वे 'इस्लामिक रिपब्लिक के सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई' के नाम से एक बिल तैयार कर रहे हैं। इस बिल के पास होते ही ट्रंप, नेतन्याहू या अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एडमिरल ब्रैड कूपर की हत्या करने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन को सरकारी खजाने से भारी-भरकम इनामी राशि दी जाएगी।

खुलेआम दी धमकी

वहीं ईरान की सुरक्षा समिति के एक अन्य सदस्य महमूद नबावियन ने खुलेआम धमकी भी दी है। उन्होंने एक बयान में कहा, 'संसद जल्द ही उस बिल पर मुहर लगाएगी जो उन लोगों को इनाम देगा जो मिस्टर ट्रंप और नेतन्याहू को जहन्नुम भेजेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर ईरान पर दोबारा सैन्य हमले हुए, तो हमारा जवाब इतना विनाशकारी होगा कि अमेरिका और इजरायल का वजूद खतरे में पड़ जाएगा।' जानकारों की मानें तो यह कदम ईरान की पुरानी नीति से बिल्कुल अलग है। यह पहली बार है जब ईरान संसद में बकायदा कानून पास कर किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर इनाम घोषित कर रहा है।

खामेनेई की मौत का बदला

गौरतलब है कि इससे पहले ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों में बीते मार्च महीने में इजरायल के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस हमले में खामेनेई का लगभग पूरा परिवार खत्म हो गया और इजरायल में कोहराम मच गया। अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को देश का नया सुप्रीम लीडर चुना गया। इसके बाद से ईरान ने भी इजरायल सहित खाड़ी देशों पर मिसाइलें और ड्रोंस बरसाईं। अब ईरान अली खामेनेई की मौत का बदला मौत से लेना चाहता है।

यह कहा ट्रंप ने

इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था। इधर, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के उपाध्यक्ष महमूद नबावियन ने चेतावनी दी कि अगर ईरान या उसके नेताओं पर फिर हमला हुआ तो जवाब सिर्फ अमेरिका और इजराइल तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि उन अरब देशों को भी निशाना बनाया जा सकता है जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़े हैं। बता दें, ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक मौजूद हैं। एक्सपर्ट्स ने मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बताया है।

सरकारी नियंत्रण की वैधता का मामला

फैसला बदला, हिंदू मंदिरों पर फिर शुरू होगी सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी याचिकाओं पर फिर से सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है, जिनमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी में हिंदू मंदिरों और धार्मिक बंदोबस्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करने वाले कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सोमवार को किया। यह मामला स्वामी दयानंद सरस्वती बनाम तमिलनाडु राज्य का है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने अप्रैल, 2025 में दिए गए अपने पुराने आदेश को वापस ले लिया। इस आदेश में अदालत ने याचिकाकर्ताओं को संबंधित हाई कोर्ट में जाने के लिए कहा था। अदालत के इस आदेश को चुनौती देने के लिए याचिका दायर की गई थी।

2025 में दिए अपने पुराने आदेश को वापस ले लिया

2012 से लंबित याचिकाएं

2012 से लंबित इन मुख्य याचिकाओं में- तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1959, आंध्र प्रदेश धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थाएं और बंदोबस्ती अधिनियम, 1987, पुडुचेरी हिंदू धार्मिक संस्थाएं अधिनियम, 1972 और तेलंगाना हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1987 के प्रावधानों को चुनौती दी गई थी। याचिकाओं में जिन प्रावधानों को चुनौती दी गई है, वे आयुक्तों की शक्तियों, कार्यकारी अधिकारियों और ट्रस्टियों की नियुक्ति, मंदिर के के अकाउंट्स, सरप्लस फंड के इस्तेमाल, मंदिर की संपत्ति के हस्तांतरण और हिंदू धार्मिक संस्थानों पर राज्य के सुपरविजन से संबंधित हैं।

याचिकाकर्ताओं का तर्क

याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में अदालत में तर्क दिया है कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 19 (पेशे की स्वतंत्रता), 25, 26 और 31ए का उल्लंघन करते हैं। अप्रैल 2025 के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ता संबंधित हाई कोर्ट्स का रुख कर सकते हैं क्योंकि अलग-अलग राज्यों के कानूनों की व्यवस्था अलग-अलग हो सकती है। बेंच ने कहा था कि जिन राज्यों में ये कानून लागू हैं, वहां के हाई कोर्ट अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में लागू कानूनों को चुनौती देने के मामले की बेहतर जांच कर सकते हैं।

रूसी राष्ट्रपति का 10 महीने में दूसरा भारत दौरा

ब्रिक्स में हिस्सा लेंगे पुतिन सितंबर में आएंगे भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे।

ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहा है भारत

इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में कई बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कार्यकारी समूहों की चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।

पीएम मोदी भी इसी साल रूस जाएंगे

इससे पहले भारत दौरे पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 15 मई को कहा था कि वे पीएम मोदी की रूस यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी ने रूस आने की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और कई अन्य क्षेत्रों में मजबूत सहयोग जारी है और रूस चाहता है कि यह साझेदारी आगे भी तेजी से मजबूत होती रहे।

अमेरिका की सैन डिएगो मस्जिद में गोलीबारी, 5 की मौत

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी। इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है।

पाक-बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए सख्त हुए सीएए नियम

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने नया नोटिफिकेशन जारी कर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए धार्मिक अल्पसंख्यक आवेदकों के लिए अतिरिक्त खुलासे अनिवार्य कर दिए। अब इन देशों से भारत आने वाले हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के लोगों को यह बताना होगा कि उनके पास इन देशों का कोई वैध या एक्सपायर्ड पासपोर्ट है या नहीं। अगर पासपोर्ट है, तो

उसकी पूरी जानकारी देनी होगी और भारतीय नागरिकता मिलने के 15 दिन के भीतर उसे सरेंडर भी करना पड़ेगा। गृह मंत्रालय के इस फैसले को सीएए प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए थे, जिनमें कुछ आवेदकों के पास पुराने या अमान्य विदेशी पासपोर्ट पाए गए। भारतीय कानून के तहत दोहरी नागरिकता और दो पासपोर्ट रखने की अनुमति नहीं है। ऐसे में सरकार अब यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत की नागरिकता मिलने के बाद कोई व्यक्ति दूसरे देश की पहचान या दस्तावेज का इस्तेमाल न कर सके।

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुडगाँव, हरियाणा-122050
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana-122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना
कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में।

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/255 दिनांक: - 12/05/2026

संदर्भ:

1. कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (10) कम्पनियों का नाम छत्तीसगढ़ राज्य से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Compnay Hindi Name
1	AC3083012	U72900CT2019OPC009581	नलिग्मा गेम्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
2	AC3100843	U01100CT2016PTC007615	केएनएल एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड
3	AC3120995	U41001CT20250PC019321	कृष्णांश कंस्ट्रक्शन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
4	AC3271201	U46301CT2025PTC017490	एक्वाग्लोब एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AC3289699	U32909CT2024PTC017064	जेनिथऑरा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
6	AC3287724	U35105CT2024PTC016973	बृजधाम ग्रीन एनर्जी (पिथौरा) प्राइवेट लिमिटेड
7	AC3287693	U35105CT2024PTC017095	बृजधाम ग्रीन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
8	AC3306584	U20111CT2024PTC016208	अंजनरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
9	AC2810000	U47912CT2023PTC015138	वेयराबोट्ज़ प्राइवेट लिमिटेड
10	AC2943965	U65993CT2022PLN012952	आरबीएनएस इंडिया सेविंग्स निधि लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभकरने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अत: कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है
4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0117/2627

यूपीएससी के उम्मीदवारों को मिला बड़ा तोहफा, किया गया ऐतिहासिक बदलाव

अब प्रीलिम्स एग्जाम के तुरंत बाद जारी होगी ऑसर-की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले लाखों उम्मीदवारों के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और छात्र-अनुकूल बनाने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव का ऐलान किया है। नए नियम के मुताबिक, अब यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा संपन्न होने के तुरंत बाद ही आधिकारिक आंसर-की (ऑफिशियल ऑसर की) जारी कर दी जाएगी। अब तक के नियमों के अनुसार, यूपीएससी पूरे एग्जाम की प्रक्रिया (प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू) खत्म होने और फाइनल रिजल्ट आने के बाद ही प्रीलिम्स की आंसर-की जारी करता था। इस वजह से छात्रों को लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब यह इंतजार पूरी तरह खत्म हो गया है।

खास बातें

- मेन्स की तैयारी के लिए नहीं होगा अब कन्फ्यूजन
- पहले फाइनल रिजल्ट आने के बाद ही होती थी जारी

अब अंकों का कर सकेंगे मिलान

पहले आंसर-की न होने के कारण बॉर्डर पर रहने वाले छात्र (जिन्हें अपने स्कोर को लेकर संदेह होता था) यह तय नहीं कर पाते थे कि उन्हें मुख्य परीक्षा (मेंस) की तैयारी शुरू करनी चाहिए या नहीं। अब तुरंत आंसर-की आने से छात्र अपने अंकों का सटीक मिलान कर सकेंगे और बिना समय गंवाए मेन्स की तैयारी में जुट सकेंगे।

कोचिंग सेंटर्स के दावों पर लगेगा लगाम

एग्जाम खत्म होते ही अलग-अलग कोचिंग सेंटर्स अपनी-अपनी आंसर-की जारी कर देते थे, जिनमें अक्सर काफी अंतर होता था। इससे उम्मीदवारों में भारी भ्रम पैदा हो जाता था। अब आधिकारिक आंसर-की तुरंत मिलने से छात्रों को सटीक और विश्वसनीय सोर्स मिल जाएगा।

पारदर्शिता में होगा बड़ा सुधार

हाल के वर्षों में परीक्षा के तुरंत बाद आंसर-की जारी करने को लेकर छात्रों और विशेषज्ञों द्वारा लगातार मांग की जा रही थी। इस कदम से यूपीएससी की मूल्यांकन प्रक्रिया पर छात्रों का भरोसा और मजबूत होगा। अगर किसी प्रश्न के उत्तर को लेकर कोई आपत्ति होगी, तो उसे भी समय रहते सुलझाया जा सकेगा।

जनजाति विशेष
डा. वेदवती मंडावी

न्याय व्यवस्था में स्थान मुड़ा का

आदिवासी अंचल में बाहरी व्यक्तियों अथवा अधिकारियों के आने पर ग्रामवासियों के लिए ग्राम प्रधान प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है। ग्रामवासी तथा बाह्य प्रशासन के बीच मध्यस्थता की स्थिति उसकी प्रतिष्ठा के कारण होती है, जिसका वह जब चाहे लाभ उठा सकता है। यह पद वंशानुगत तथा प्रतिष्ठित अथवा विस्तृत गोत्र वालों को दिया जाता है। ग्राम प्रधान एक ऐसा व्यक्ति होता है जो अधिकांश गांव वालों पर अपना प्रभाव रखता है तथा उसके अनुयायी उसे अपना मार्गदर्शक अथवा पारस्परिक मूल्यों का रखवाला समझते हैं। गांव के अधिकांश फैसलों पर उसका व्यक्तिगत प्रभाव होता है। छत्तीसगढ़ में बाइसन हार्न तथा मारिया जनजातियों में इन्हें पेड्डा, अबूझमाड़िया, पटेल, पंडो, कोडकू, खैरवार, परधान एवं नगेसिया जनजाति स्थानीय भाषा में मुखिया कहते हैं कमार जनजाति कुरहा और गोंड मुकद्दम कहते हैं। प्रायः सभी समस्याओं का समाधान आसानी से सुलझाया जाता है। जिन समस्याओं का समाधान कठिन होता है उसे बड़े पंचायत में ले जाते हैं जिसे मुड़ा कहा जाता है। दस पंद्रह पंचायतों को मिलाकर मुड़ा बनाया जाता है। सभी मुखिया मुड़ा के सदस्य होते हैं। मुड़ा के प्रधान को मुढादार कहा जाता है।

कला जगत
डा. उग्रसेन कन्नौजे

आंचलिक लोक कला में रास का रस

विभिन्न विद्वानों के मतानुसार रास की उत्पत्ति रस से हुई है। इसी तरह अनेक विद्वान भगवान कृष्ण की रहस्य के वैभव गाथा से लेते हैं। पदम पुराण पाताल खंड में रास के लिए रस की प्रधानता मानी गई है। भगवान श्रीकृष्ण भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए स्वयं नायिका का रूप धारण कर लेते हैं। इस रहस्य को किसी ने जाना नहीं और जो जाना वह उसी का हो गया। भगवान श्रीकृष्ण गोपियों के साथ रास विलास करके भी वे योगी कहलाए, यह एक रहस्य है। इस प्रकार रास शब्द की उत्पत्ति कृष्ण और राधा की रसमय लीला से हुई है जैसा कि महारास में बताया गया है। यह सभी रहस्यों का चित्रण हमारे अंचल के रहस लीला मंच में मंचन किया जाता है। यह बात अलग है कि पूर्व की भांति अब रहस लीला मंचन अनेक कारण से कमी देखी जा रही है।

लोक साहित्य
डा. मृणालिका ओझा

छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में सामाजिक चित्रण

छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में युगीन सन्दर्भ व तात्कालिक जीवन के चित्र उपलब्ध होते हैं। छत्तीसगढ़ के सामाजिक सांस्कृतिक जीवन के ऐतिहासिक खोज में इसका विशेष महत्व है। कल का समाज कैसा था, उसके रहन सहन, आचार विचार आदि के सम्बन्ध में कौतुहलपूर्ण प्रश्नों के उत्तर इन कथाओं में समाहित है। छत्तीसगढ़ी लोककथाओं में विश्व मंगल की कामना प्रायः मिलते हैं। एक सृष्टि कथा में भगवान विष्णु धरती और आकाश का विवाह करने के लिए तैयार होते हैं। सियार जो कि चतुर एवं कूटनीतिज्ञ व्यक्तित्व का प्रतीक है, या फेरे पड़ेंगे तो इस बीच की सम्पूर्ण सृष्टि उनके बीच पीस कर नष्ट हो जायेंगे। कथा सामान्य है किन्तु इस विशाल तथ्य को उदघाटित करती है कि जब दो समान, विराट एवं समर्थ शक्तियों का संघर्ष होगा, उसके मध्य उनसे सम्बंधित सम्पूर्ण कमजोर वर्ग पीड़ति व नष्ट होगा। इतनी बड़ी सच्चाई का अनुभव कथाकार करता है, जिसका अनुभव हम सामाजिक और राजनीतिक जीवन में तो करते ही हैं, साथ ही विश्व स्तर पर भी इस खतरे को हर पल महसूस करते हैं कि दो बड़े शक्तिशाली राष्ट्र का संघर्ष सम्पूर्ण विश्व के विनाश का कारण बन सकता है। यदि विवाह को मिलन की दृष्टि से सोंचे तो भी दो बड़ी शक्तियां मिलकर शेष अल्प समर्थ लोगों पर आधिपत्य स्थापित कर सकती है और तब इस बीच आने वाले सम्पूर्ण व्यक्तित्व नष्टप्राय हो जाएगा। कथाकार की यह चिंता वर्तमान में ग्लोबलाईजेशन के खतरे की सांकेतिक अभिव्यक्ति मानी जा सकती है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

वैवाहिक रस्मों का अनूठा महत्व

संस्कृति
डा. राघवेंद्र कुमार 'राज'

विवाह एक धार्मिक संस्कार है। विवाह का शाब्दिक अर्थ विशेष रूप से वधू को वर को सौंपना। अर्थात वधू का वरण करना ही विवाह है। तभी तो लोग कहते हैं -

शादी वह लड्डू है जो खाये वो पछताए और जो न खाए वो पछताएं। विवाह के समय परिजनों द्वारा विभिन्न वैवाहिक रस्में निभाए जाते हैं। गठबंधन और सात फेरे, मंगलसूत्र और सिंदूर, पाणिग्रहण, घुड़चढ़ी वरमाला, वर दर्शन, पदप्रक्षालन,मंडप स्पर्श, लालभाजी, दूध भात जैसे रस्मों के अलावा अनेक रस्में भी निभाए जाते हैं।सब्बल पर श्वेत वस्त्र बांधना, चौक चौराहों में आटे और गोबर से निर्मित मुठिया व गीली चांवल आटे से चौक बनाना , हूमधूप देना, मंड़प में हल गड़ाना, डुमर व आम की डालियों से मंडप आच्छादन ,सात व्यक्तियों द्वारा आंचल देना, लाल भाजी, दूध भत्ता, विदाई में दुल्हन द्वारा अक्षत वृष्टि किया जाना आदि। पाणिग्रहण एक प्राचीन परंपरा है। दूल्हा दुल्हन के हाथों को पवित्र मंगलमयी धागों से बांधा जाता है जो वैवाहिक बंधन का प्रतीक है। घुड़चढ़ी वरमाला असीम प्रेम और विश्वास का परिचायक है। छत्तीसगढ़ अंचल के वैवाहिक अवसर पर ऐसे अनेक रस्म पल पल में निभाए जाते हैं जिसमें हर रस्म हमें प्रकृति से जुड़ने का सन्देश देते है जो इस सुखद अवसर को खुशनुमा बनाने के साथ ही एक परिवार से दूसरे परिवार को अटूट बंधन में बंधने का समय भी होता है जिसमें परिवार के सदस्य, रिश्ते नाते, संगी साथी सभी इस वैवाहिक पल को अविस्मरणीय बनाने में सहभागिता देते हैं।

ऐतिहासिक : प्रो. अश्विनी केशरवानी

शिवरीनारायण में मिला रत्नदेव द्वितीय का ताम्रलेख

शिवरीनारायण में मिले ताम्रलेख के प्रथम श्लोक में ब्रम्हा की स्तुति की गई है। इसके बाद चंद्रवंश में कोकल्ल देव तथा उसके अठारह पुत्रों का उल्लेख है। पुत्रों में ज्येष्ठ पुत्र ने त्रिपुरी को अपनी राजधानी बनाया। उसके भाई वंकराज को तुम्मान का शासक कहा गया है। वंकराज का पुत्र कलिंगराज और उसके पुत्र कमलराज का उल्लेख है। इसके बाद क्रमशः रत्नराज प्रथम, पृथ्वीदेव, जाजल्यदेव तथा रत्नदेव द्वितीय का वर्णन है। इस ताम्रलेख में कुल 18 श्लोक हैं जो संवत 878 भाद्र शुक्ल पंचमी रविवार का है। इसकी भाषा संस्कृत है। प्रारम्भ में यह ताम्रलेख शिवरीनारायण मंदिर के प्रमुख पुजारी प. रामचंद्र भोगहा महाराज के घर पर था। हर श्लोक कहीं न कहीं मनुष्यों के धर्म कर्म और दान पुण्य के महत्व को स्पष्ट करता है।

गांव की कहानी
डा. नीलकंठ देवांगन

धरम के जगा आय धमधा

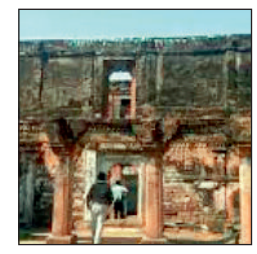

दुर्ग जिला मुख्यालय ले 35 कि मी दूरिहा आज के धमधा कभू धर्मदा, धमधागढ़, धर्म गढ़, धरमगढ़ कहाय। धमधागढ़ आजो गोंड मन के तीरथ जगा आय। धमधा नगर के नाव कबीर साहब के शिष्य धर्मदास के नाव म रिहिस अपभ्रन्श म धमदा होगे। महाकवि तुलसीदास अपन महाकाव्य रामचरित मानस म ये जन्मभूमि के सुंदरता, आनंद अउ सुख के बखान कराय हे -

राम धामदा पुरी सुहावनि
लोक समस्त विदित अति पावनि।

एकरे संग तुलसीदास के ए चौपाई अउ रामचरित मानस म आय कतको शब्द जौन धमधा अंचल म बोले जाथे, तेखरे आधार म ए कहे जा सकथे, श्रीराम के धमधा आगमन होय रिहिस। विनय पत्रिका म आय कुछ शब्द घलो ए बात के पुष्टि करथे-

अतिप्रिय मोहि इहां के वासी
मम धामदा पुरी सुख रासी।

एकरे संग धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक अउ पुरातत्विक महत्व के जगा आय आज के धमधा।

सुरताः वीरेंद्र बहादुर सिंह

छुईखदान अंचल के प्रमुख जंगल सत्याग्रहियों में गुलाब दास वैष्णव

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गुलाब दास वैष्णव का जन्म सन 1905 में छुईखदान से 12 कि मी दूर सड़क अतरिया में हुआ था। 24 जनवरी 1939 को समारुराम महोबिया के नेतृत्व में चंपाटोला से गंडई तक निकाले गए जंगल सत्याग्रह में वे प्रमुख सत्याग्रही थे। इस आंदोलन के दौरान पुलिस ने वैष्णव सहित 11 सत्याग्रहियों को हिरासत में लिया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में कांग्रेस के ऐतिहासिक बम्बई अधिवेशन के बाद महात्मा गांधी के करो या मरो के सन्देश का प्रचार प्रसार करते हुए तथा मुंबई अधिवेशन की बुलेटिन का वितरण करते हुए वे गिरफ्तार किए गए। कारावास की सजा काटने के बाद गुलाब दास ने डोंगरगांव को अपना कर्म क्षेत्र बनाया। उन्होंने डोंगरगांव में लोक शाला का संचालन प्रारम्भ किया, जहां बच्चों को हस्तशिल्प कला की शिक्षा दी जाती थी। बाद में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए नार्मल स्कूल का संचालन शुरू किया, जहां शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता था। यहीं नार्मल स्कूल बाद में बुनियादी प्रशिक्षण शाला डोंगरगांव के रूप में परिवर्तित हो गया। सन 1973 में आपका निधन हुआ। सड़क अतरिया के हाईस्कूल का उन्नयन जब हायर सेकेण्डरी स्कूल के रूप में हुआ तब उसका नाम श्री वैष्णव के सम्मान में दाऊ गुलाब दास वैष्णव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अतरिया (रोड) रखा गया है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए से घरेलू वाहन विनिर्माण को मिलेगी मदद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

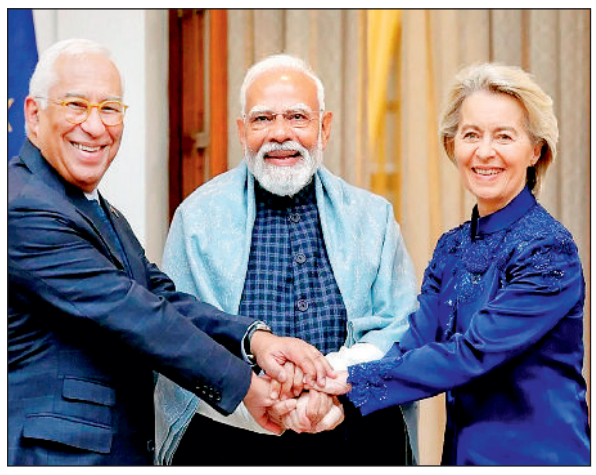

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत में अधिक निवेश आकर्षित करने और देश में वाहन विनिर्माण को बढ़ावा देने में मददगार होगा। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की। यह समझौता अगले वर्ष से लागू होने की संभावना है।

वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने कहा कि समझौते पर बातचीत के दौरान वाहन क्षेत्र एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र के रूप में सामने आया। इसकी वजह यह है कि भारत में आयात शुल्क अधिक है, लेकिन देश ने इस समझौते के माध्यम से उन चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है। जैन ने कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में कोटा-आधारित, दीर्घकालिक समाधान प्रदान किए हैं ताकि यूरोपीय संघ को भी रियायतें मिलें और भारतीय उद्योग को पर्याप्त संरक्षण भी प्राप्त हो। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते पर उद्योग मंडल फिक्की के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''इससे भारत में अधिक निवेश होगा...। भारत में अधिक वाहनों का विनिर्माण होगा और तीसरे देशों को निर्यात बढ़ेगा। इस प्रकार भारत यूरोपीय संघ की मूल्य श्रृंखला में एकीकृत हो जाएगा।''

सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरी राशि का योगदान से बचेंगे

ये समझौते यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरी राशि का योगदान करने से बचाने में मदद करते हैं। ये समझौते इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में काम कर रहे हैं। जैन ने कहा, ''इनमें से कई लोग एक निश्चित अवधि के लिए काम करते हैं और कई बार जहां हमारे पास सामाजिक सुरक्षा सहायता योजना (एसएसए) नहीं होती है।

40 से अधिक मुक्त व्यापार समझौते किए

भारत और सदस्य देशों में भी सामाजिक सुरक्षा में योगदान देना पड़ता है, लेकिन वे इसका लाभ नहीं उठा पाते।

पश्चिम एशिया संघर्ष से बढ़ी महंगाई ने तोड़ी देश के आम आदमी की कमर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट जंग की आंच देश दुनिया से होती हुई अब आपके घर पहुंच गई और आपको पता भी नहीं चला। मिडिल ईस्ट जंग ने मध्यम वर्गीय भारतीयों पर काफी बुरा असर डाला है, जिससे उन्हें रोज़ाना के खर्चों में शामिल कई चीज़ों के लिए ज़्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं। साबुन, डिटर्जेंट, दूध, पेट्रोल डीजल से लेकर सोने-चांदी तक सभी की कीमतों में उछाल आया। चाहे एलपीजी की ज़्यादा कीमतें हों जो सीधे खाने की चीजों पर असर डालती हैं या फॉरेन एक्सचेंज के आउटफ्लो को रोकने के लिए ज़रूरी गोल्ड इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी, इस जंग ने किसी भी सेक्टर को अछूता नहीं छोड़ा है। कई सेगमेंट की कंपनियों ने पहले ही कम से कम एक बार कीमतों में बढ़ोतरी की है और एनर्जी सप्लाई में रुकावट के कारण इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी को देखते हुए जल्द ही एक और दौर की बढ़ोतरी की भी सोच रही हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज का लाभ बढ़कर 18.2 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी आधारित डिजिटल सेवा प्रदान करने वाली कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज लि. का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 5.4 प्रतिशत बढ़कर 18.2 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में कंपनी का मुनाफा 17.3 करोड़ रुपये था।

जीएनएफसी का मुनाफा 88% बढ़कर 396 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी) का मार्च, 2026 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 88 प्रतिशत बढ़कर 396 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 211 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,333 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2,177 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, जीएनएफसी का शुद्ध मुनाफा पिछले वित्त वर्ष के 597 करोड़ रुपये से बढ़कर 808 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 के 8,393 करोड़ रुपये की तुलना में 2025-26 में कंपनी की कुल आय घटकर 8,272 करोड़ रुपये रह गई।

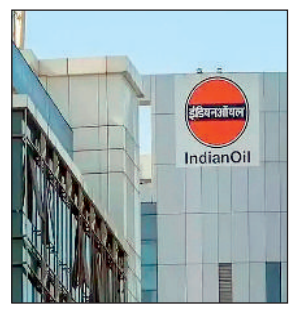

आईओसी का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 56 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 56 प्रतिशत बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी में उसका एकल आधार पर शुद्ध लाभ बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 7,264.85 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में उसे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण भारी नुकसान हुआ।

लेकिन इसके बावजूद उसने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 36,802.42 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 12,961.57 करोड़ रुपये था।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग जशपुर जिला-जशपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

आदेश क्र 615 व.ले.लि./2026-27/ जशपुर दिनांक 14/05/2026

मुख्य अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग शिवनाथ भवन नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ. क्रमांक 4264080/निविदा प्रकोष्ठ /2026/4279 (TC) नवा रायपुर, दिनांक 26.03.2026 के परिपालन में इस संभाग के निविदा सूचना क. 10/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 05.02.2026 निविदा सिस्टम कमांक 185128 (प्रथम आंमत्रण) (जी-252606518) द्वारा सोरो व्यपवर्तन योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य राशि रू. 288.83 लाख हेतु एकल निविदाकार होने के कारण एतदद्वारा निरस्त किया जाता है

सहपत्र :- शून्य।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग अंबिकापुर (छ.ग.)

जी-262700826/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)
12/ 190981	CONSTRUCTION OF ONE NEW ROOM AND ONE LIBRARY ROOM AT DISTRICT JUDGE BUNGLOW B-5/7, AT RAIPUR DISTRICT RAIPUR	रू. 25.31 लाख
13/ 190982	SPECIAL REPAIR OF NEW COLLECTORATE BUILDING AT COLLECTORATE CAMPUS, RAIPUR (C.G)	रू. 176.85 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.06.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्रं. 1, रायपुर (छ.ग.)

जी. 262700798/4

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर

निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञापन क्रमांक-106

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर अंतर्गत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, मुख्यालय पर्यावास भवन, नवा रायपुर में माननीय आयुक्त महोदय एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के कक्ष हेतु कुर्सी, टेबल एवं अन्य साज-सज्जा सामग्री प्रदाय कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है तथा अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर के फोन नं. 9424209041 पर संपर्क करें।

संवाद-47862 कार्यपालन अभियंता

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, (वि./ यां.) मंडल, बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

नि.आ.सू. दिनांक 14/05/2026 तथा Online Bid Submission की अंतिम तिथि 29/05/2026

Physical Submission Last Date 05/06/2026

ऑनलाईन निविदा प्रथम आमंत्रण

क्र.	नि.आ.सू. क्रमांक	ऑनलाईन टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	05	191208	Providing LT, HT Line Pole and X-Mer DP shifting work under Koni Section, Distt.- Bilaspur (C.G.)	92.13
2	06	191215	Providing Pole Shifting And Xmer DP for Lormi section, Distt.-Mungeli (C.G.)	98.63
3	07	191234	Providing pole shifting and X-Mer DP for Pathariya & Sargaon Section, Distt.- Mungeli (C.G.	98.00
4	08	191237	Providing LT, HT Line, Pole & X-mer DP shifting work under Takhatpur & Masturi Section, Distt.- Bilaspur (C.G.)	98.00
5	09	191238	Providing LT, HT Line, Pole & X-mer DP shifting work under H.Q. and Seepat Section, Distt.- Bilaspur (C.G.)	97.95

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. (वि./यां.) मण्डल, बिलासपुर (छ.ग.)

जी. 262700836/4

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 08.06.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	निविदा आमंत्रण
190921	01/व.ले.लि / 2026-27 दिनांक 18.05.2026	बारोडीह बम्हनी व्यपवर्तन के नहरों में चैनल निर्माण तथा सी.सी. लाईनिंग कार्य ।	349.79	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 25.05.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग मरवाही (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग,
बिलासपुर (छ.ग.)

जी-262700822/4

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक 05, खरसिया (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 08.06.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	समूह क्र.	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
190942	01/व.ले.लि / 2026-27 दिनांक 18.05.2026	01	सक्ती जिले के विकासखण्ड मालखरौदा के अंतर्गत कर्रापाली जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य।	279.63	प्रथम आमत्रण
190945	01/व.ले.लि / 2026-27 दिनांक 18.05.2026	02	सक्ती जिले के विकासखण्ड मालखरौदा के अंतर्गत मुक्ता जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य।	280.76	प्रथम आमत्रण
190946	01/व.ले.लि / 2026-27 दिनांक 18.05.2026	03	सक्ती जिले के मिनीमाता बांगो परियोजना अंतर्गत कुरदा वितरक नहर के लिमगांव माइनर आर.डी. 0 मी. से 3660 मी. तक जीर्णोद्धार कार्य एवं भागोडीह माईनर एवं कटारी माईनर पर व्ही.आर.बी. का निर्माण कार्य एवं भागोडीह माईनर, कुरदा उपवितरक, पोता उपवितरक एवं मोहंदीकला वितरक नहर पर सी.डी. का निर्माण कार्य।	159.94	प्रथम आमत्रण
190948	01/व.ले.लि / 2026-27 दिनांक 18.05.2026	04	सक्ती जिले के मिनीमाता बांगो परियोजना अंतर्गत कुरदा वितरक नहर के हरदी उपवितरक नहर आर.डी. 0 मी से 4460 मी. तक जीर्णोद्धार कार्य।	166.98	प्रथम आमत्रण

अन्य विवरण एवं वेब साइट विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 25.05.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता,
मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक 05,
खरसिया (छ.ग.)

जी-262700845/7

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट आरएफपी सूचना

क्र. / स्वच्छता/2026/267 दिनांक 14.05.2026

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों में व्यवसाय से संबंधित अनुभवी निविदारों/फर्मों से लंप-संप दर पर ई-प्रोक्युरमेंट (E-Tendring) के माध्यम से आर.एफ.पी. आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम, कोरबा क्षेत्रांतर्गत मेकेनाईज स्वीपिंग एवं मैनुअल स्वीपिंग मशीन के संचालन कार्य (पार्ट-II) (निगम मद) (प्रथम आर.एफ.पी.)	99.07	10.06.2026 (T.No. 190910)

उपरोक्त कार्यों की आरएफपी की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

स्वास्थ्य अधिकारी
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

प्रारूप-एक (नियम 11 देखिये) कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात

जिला	तहसील	ग्राम/ नगर	क्षेत्रफल (हे.) में	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	पुसौर	सरवानी	19.139	औद्योगिक प्रयोजन हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक-02/06/2026 को (समय) 3 PM बजे (स्थान) शास. प्राथ. विद्या सरवानी पर नियत की गई है।

प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

(एक) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण:- औद्योगिक प्रयोजन हेतु।
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या:- 93
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या: निरंक
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या:- निरंक
(पाँच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या:- निरंक
(छः) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ? हों
(सात) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है? हॉ।
(आठ) परियोजना की कुल लागत 21474 करोड़।
(नौ.) परियोजना से होने वाले लाभ सामाजिक विकास, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार एवं स्वरोजगार, राजस्व एवं सामाजिक विकास
(दस) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :- 05 लाख।
(ग्यारह) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहीत तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहीत तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, रायगढ़ (छ.ग.) — कलेक्टर रायगढ़ (छ.ग.)

जी. 262700804/1

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर (छ.ग.)
पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, जिला-रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष नम्बर-0771-2284044,
ई-मेल:- dwcdraipur@gmail.com, lcpsraipur@gmail.com

क्रमांक /401/मबावि/स्था./2026-27 रायपुर, दिनांक 15/05/26

"मिशन वात्सल्य योजनांतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं शासकीय बाल देखरेख संस्था में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदकों से दावा / आपत्ति आमंत्रित"

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला रायपुर द्वारा मिशन वात्सल्य योजनांतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 तथा शासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के कुल 32 रिक्त संविदा पदों पर पदपूर्ति किये जाने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति के स्कूटनी पश्चात परीक्षण कर पात्र/अपात्र अभ्यर्थीयों की प्रारभिंक सूची तैयार की गई है। इस सूची का अवलोकन रायपुर जिले के वेबसाईट https://raipur.gov.in/ तथा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजभवन के पास, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रोजगार कार्यालय के बाजू के सूचना पटल पर पात्र/अपात्र अभ्यर्थीयों का पूर्ण विवरण का अवलोकन किया जा सकता है।

संबंधित आवेदकों के द्वारा उपरोक्त सूची अनुसार दिनांक 25.05.2026 सायं 05:30 बजे तक दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर ही स्वीकार की जावेगी। इस संबंध में कार्यालय में प्रदर्शित सूची अंतिम मानी जावेगी। आवेदक अपनी दावा/आपत्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। किसी अन्य माध्यम ई-मेल, कोरियर या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत दावा/आपत्ति मान्य नही होगी।

जिला कार्यकम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला रायपुर (छ.ग.)

जी. 262700814/2

राशिफल

मेष — खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लाभ में कमी रहेगी।

वृष — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान रहेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मिथुन — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सन्तान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वाद खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह — कारोबार में सुधार होगा। किसी मित्र का सहयोग मिलेगा। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मानसिकता हो सकती है। वाणी में सौम्यता रहेगी।

कन्या — किसी मित्र के सहयोग से नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला — पिता से धन प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

वृश्चिक — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सेहत का ध्यान रखें। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

धनु — भाई-बहनों से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता-पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में मेहनत अधिक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

कुंभ — कारोबार में कुछ परिवर्तन की सम्भावना बन रही हैं। आय में वृद्धि होगी। यात्रा खर्च बढ़ेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अपनी भावनाओं का वश में रखें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

शब्द पहेली - 6231

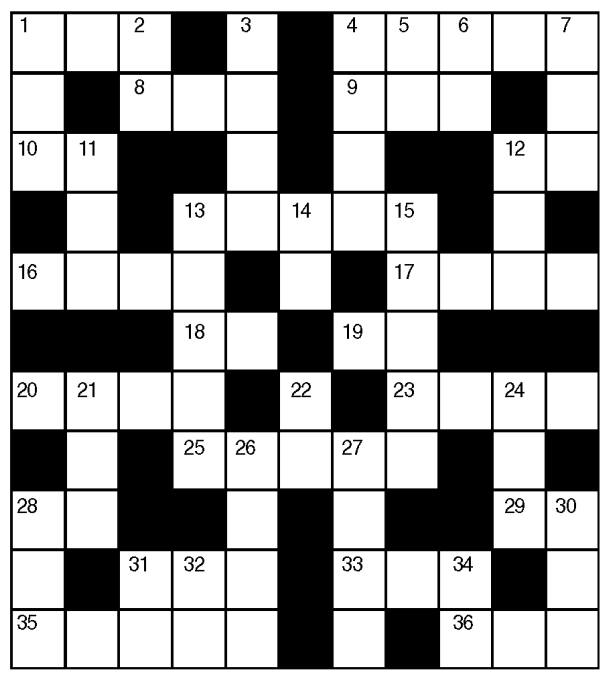

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6230 का हल

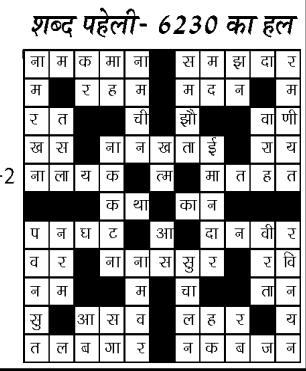

सूडोकु नवताल - 6241

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6240 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

सोना 800 रुपए चढ़ा चांदी 5,000 रुपए टूटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान बातचीत में कामयाबी के संकेतों से महंगाई के दबाव की चिंता कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये बढ़कर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। स्थानीय सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के बंद स्तर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 800 रुपये बढ़कर 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। हालांकि, कमजोर औद्योगिक मांग और वैश्विक बाजार में सुस्त रुख के कारण चांदी की कीमतें 5,000 रुपये घटकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गईं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''अमेरिका-ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीद बढ़ने से मंगलवार को सोने की कीमतों में उछाल आया, जिससे लंबे समय से ऊर्जा संचालित महंगाई दबाव को लेकर कुछ चिंताएं कम हुईं। गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह कहने के बाद कारोबारी धारणा बेहतर हुई कि उन्होंने ईरान पर सैन्य हमले की योजना रोक दी है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले का एक राजनयिक समाधान अभी भी हो सकता है। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी कमी आई, जिससे हाल की तेज गिरावट के बाद बहुमूल्य धातुओं को समर्थन मिला।

■ अमेरिका ईरान बातचीत आगे बढ़ने से चिंता हुई कम

कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई

मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि हाजिर सोने की कीमतें लगभग 4,540 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही हैं, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी कम होने के बावजूद ऊंची बनी हुई हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शाह बोले-जैसे नक्सलवाद ....

के प्रारूप के अनुरूप ही राज्यों का प्रारूप लागू करें और राज्यों की हेल्पलाइन के कॉल सेंटर को अपडेट करें। गृह मंत्री ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली की तीनों नवीन न्याय संहिता पर बहुत अच्छा अमल हुआ है। उन्होंने कहा कि अब भी इसमें बहुत सारे मुद्दे ऐसे हैं जिनके क्रियान्वयन पर हमें बल देना होगा।

उन्होंने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं। उत्तर के हिमालय क्षेत्र से लेकर गंगा-यमुना के मैदानी भूभाग से लेकर मध्य भारत के पठारी, वन समृद्ध और खनिज समृद्ध क्षेत्र इस क्षेत्र में आते हैं, जो निश्चित रूप से देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होने कहा कि यह क्षेत्र हमें देश के अनाज के भंडारों को भरने में बड़ी मदद करता है। इस क्षेत्र के समृद्ध खनिज भंडार से देश के विकास को गति मिलती है और इसी क्षेत्र की समृद्ध विरासत और संस्कृति ने देश को आगे बढ़ाने में मदद की है। इसी क्षेत्र में देश के आस्था के सभी केंद्र करीब-करीब एक ही जगह पर आए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लगभग सात राज्यों को जोड़ता है और इस दृष्टि से पूरे मध्य क्षेत्र का बहुत महत्व है।

5 किलोमीटर के दायरे में बैंक की सुविधा बड़ी उपलब्धि-

अमित शाह ने कहा कि शहरी नियोजन, जन स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन और बिजली सुधार के चारों क्षेत्र में भी और अधिक गति से कार्य करें। उन्होंने अपील की कि हमारा कम से कम 50 प्रतिशत ध्यान ग्रामीण विकास और व्यक्ति को मजबूत बनाने वाली योजनाओं पर रहना चाहिए। हर 5 किलोमीटर के दायरे में बैंक की सुविधा उपलब्ध होना बड़ी उपलब्धि है।

छत्तीसगढ़ की पूर्व ....

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 24 अगस्त 2024 को सभी राज्यों के डीजी की बैठक में 31 मार्च 2026 को नक्सलमुक्त भारत की घोषणा की गई और यह सफलता सुरक्षाबलों के पराक्रम, साहस और बलिदान के कारण संभव हो सका है। छत्तीसगढ़ और बस्तर के कई क्षेत्रों में विकास नहीं होने का कारण नक्सलवाद रहा है। हमने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के सम्पूर्ण विकास की परिकल्पना को लांच किया है। नेतानार में कल शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा का उद्घाटन किया गया। केरल राज्य से बडे बस्तर के इस भूभाग को नक्सल मुक्त करने बस्तर संभाग के 200 सुरक्षा कैम्प में से प्रथम चरण में लगभग एक तिहाई यानि 70 कैम्प को सेवा डेरा में तब्दील करेंगे। इसमें स्पष्ट है कि सरकार गांव के दरवाजे तक विकास लेकर जाएगी।

विष्णु की योजना...

और इनको हर माह 30 यूनिट बिजली मुफ्त भी मिलती है, बाकी का इनसे पैसा लिया जाता है। लेकिन ज्यादातर उपभोक्ता पैसा जमा ही नहीं करते हैं। ऐसे में बकायेदारों से बकाया की वसूली के लिए मुख्यमंत्री समाधान योजना का प्रारंभ किया गया है। इस योजना में सरचार्ज को पूरी तरह से माफ कर दिया गया है। इस योजना में अब तक करीब साढ़े सात लाख उपभोक्तों ने पंजीयन भी करा लिया है।

खतरनाक और रेबीज...

ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई हो और जहां बार-बार कुत्तों के काटने या आक्रामक हमलों से जनसुरक्षा को लगातार खतरा पैदा हो रहा हो, वहां स्थानीय अधिकारी कुत्तों को 'जान से मारने' का निर्णय ले सकते हैं। पीठ ने कहा कि यह कदम और अन्य कानूनी उपाय पशु चिकित्सा विशेषज्ञों के आकलन के बाद तथा 'पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960', 'पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023' और अन्य लागू वैधानिक प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए उठाए जाएं। शीर्ष अदालत ने यह आदेश पिछले वर्ष 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेकर शुरू किए गए मामले की सुनवाई के दौरान पारित किया। इस मामले में राष्ट्रीय राजधानी में, विशेषकर आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों को काटने से रेबीज फैलने की घटनाओं का उल्लेख किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और बंध्याकरण संबंधी अपने पूर्व के आदेशों को वापस लेने की मांग वाली सभी याचिकाएं और आवेदन भी मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दिए कि सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार में कुत्तों के हमलों के भय से मुक्त होकर जीने का अधिकार भी शामिल है। पीठ ने पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अदालत उन कठोर जमीनी हकीकतों से आंखें नहीं मूंद सकती, जिनमें बच्चे, विदेशी पर्यटक और बुजुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने संबंधी निर्देश राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और अन्य वैधानिक निकायों को भी जारी किए। शीर्ष अदालत ने पिछले वर्ष सात नवंबर को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे स्थानों पर कुत्तों के काटने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि पर संज्ञान लेते हुए निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों को बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद निर्धारित आश्रय स्थलों में भेजा जाए।

केमिस्टों की छत्तीसगढ़...

ना हो इसके लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अफसर समन्वय बनाए हुए हैं। राजधानी में आपात स्थिति में लोगों को जरूरी दवा मिल सके इसके लिए वैकल्पिक इंतजाम किया गया। थोक एवं रिटेल दवा बाजार बंद रहने के दौरान सरकारी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर्स के साथ प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र और धनवंतरी दवा दुकानों को खुला रखा जाएगा। इसके अलावा राजधानी समेत जिले के शासकीय और निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम की दवा दुकान बिना किसी विरोध के संचालित होगी। साथ ही विभागीय निर्देश पर जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने इस एक दिनी हड़ताल के दौरान जनहित एवं रोगी सेवा तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दवाओं एवं स्वास्थ्य उत्पादों की उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग प्रदान करेंगे। आपात स्थिति में औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने मेडिकल कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान स्थित एसोसिएशन कार्यालय में संपर्क करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही दवा संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के जिला कार्यालय, पुराना नर्सेस हॉस्टल में संपर्क किया जा सकता है।

दवा कारोबारियों का...

अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है। बिना चिकित्सा की पर्ची के दवाओं की बिक्री एंटीबायोटिक एवं आदत बनाने वाली दवाओं की आसान उपलब्धता नकली प्रिस्क्रिप्शन तथा गलत भंडारण जैसे समस्याएं जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कोविड-19 के दौरान जारी अधिसूचना क्रमांक 220 की अब आवश्यकता समाप्त होती चुकी है। किंतु उसका दुरुपयोग जारी है जिससे ड्रग एंड कॉस्मेटिक नियमों के तहत आवश्यक सुरक्षा प्रावधान कमजोर हो रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में ...

तथा बारहवीं कक्षा में 105 रुपए अधिक लिए जाएंगे। विज्ञान निधि से लेकर क्रीड़ा निधि में भी शासन ने वृद्धि कर दी है। बढ़ी हुई राशि सरकारी स्कूलों के साथ-साथ स्वामी आत्मानंद विद्यालयों और पीएमश्री विद्यालयों में भी लागू होगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए शासन से फीस वृद्धि की अनुमति मांगी थी। इसकी अनुमति प्रदान करते हुए बढ़े हुए फीस का ढांचा भी जारी कर दिया गया है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार जांजगीर, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

ईश्तहार

जांजगीर, दिनांक / /2024-25
जांजगीर, दिनांक 01/अ-19/26.26/2024-25
ग्राम धनेली

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम धनेली को सूचित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर जिला जांजगीर चांपा छ.ग. के ज्ञापन क्र./4845/ भू-बंटन / 2026 जांजगीर दिनांक 22.04.2026 द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) योजना के अंतर्गत वन भूमि व्यपर्तन हेतु राजस्व वन भूमि हस्तांतरण के संबंध में छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 237(2) व 237(3) के प्रावधानो के तहत ग्राम धनेली तहसील जांजगीर की शासकीय भूमि ख.न. 519/1 में से रकबा 6.300 हे. भूमि को निस्तार पत्रक से पृथक करते हुए वन विभाग को हस्तांतरित किया जाना है।

उक्त हस्तांतरण प्रक्रिया के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/05/2026 को या उसके पूर्व न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 11/05/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार, जांजगीर

कार्यालय नगर पंचायत बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07752-259219 E-mail: cmobilha@gmail.com

क्र./130/निविदा/न.पं./2026-27 — बिल्हा, दिनांक 18/05/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा फार्म "A" में प्रतिषत दर में कम/एस.ओ.आर. दर/अधिक निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का विवरण	ई- निविदा प्रारंभ की तिथि	ई- निविदा की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज प्राप्त एवं परीक्षण तिथि	ई- निविदा खोलने की तिथि
191207	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of BILHA, Chhattisgarh (37.32 Lakh) (1st Call)	18.05.2026 17.30	09.06.2026 17.30	11.06.2026 16.00	11.06.2026 17.30

टीप:- (1) यह जानकारी www.cg.uad.gov.in एवं https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती हैं। (2) उपरोक्त कार्यों की निविदा शर्ते / विस्तृत तृतीय ई-निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण विभाग शाखा में/ ऑनलाईन अवलोकन किया जा सकता हैं। (3) अवकाश होने की स्थिति में आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य किया जावेगा।

"पेड़ लगाओं, पृथ्वी को फिर से ठंड़ा बनाओं"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत बिल्हा

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है HMS देखकर खरीदें 94060-21769 नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (40898)

आवश्यकता है- साक्षी डेंटल लैब को फील्ड एवं ऑफिस हेतु लड़कों की आवश्यकता है डॉक्टर्स के क्लीनिक से सेम्पल कलेक्ट करने होंगे। अगर आपके पास बाइक चलाने का लाइसेंस है, तो अप्लाई करें। वेतन 9000 से 14000 प्रति माह। लोकेशन- आरबी हॉस्पीटल के पास रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर सम्पर्क करे- 9406158674, 9755120209 (40895)

आवश्यकता है- आफिस में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है कम्प्यूटर जानकार को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- (दोपहर 3 से 5बजे) ए.के. अग्रवाल एंड कम्पनी, प्रथम तल, मोहरा बिल्डिंग जुनीलाइन बिलासपुर 9425530647 (40897)

आवश्यकता है- दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के/ लड़कियों, चाइनीज मिस्त्री, दोसा मिस्त्री एवं सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36मॉल के सामने बिलासपुर 9300518958 (40899)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, होम डिलीवरी तथा ट्रांसपोर्ट में लाने लेजाने हेतु पार्ट टाइम/ फुल टाइम लड़के लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- Sun Traders मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर (40896)

आवश्यकता है-सरस्वती शिशु मन्दिर उ.मा. विद्यालय, बेलटुकरी, गनियारी में अंग्रेजी, संस्कृत एवं जीव विज्ञान विषय हेतु योग्य शिक्षकों की आवश्यकता है योग्यता- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं बीएड आवेदन की अन्तिम तिथि 30 मई 2026 मिलने का समय प्रातः 9बजे से 11बजे तक सम्पर्क- 8103658549, 9926164992 (40892)

आवश्यकता है-ऑफिस एवं शॉप में MS Office Word, Excel एवं बाकी सॉफ्टवेयर अनुभवी हिन्दी इंग्लिश टाइपिंग अनुभवी युवक एवं युवती कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 7879111118 (40887)

आवश्यकता है-अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क, OT टेक्नीशियन, X-RAY टेक्नीशियन सरगांव के लिए आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पीटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधी पारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (40885)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752-337082 (40889)

वश्यकता है-शिवम एग्रोटेक, अपने कार्य को विस्तार देने के लिए दो योग्य युवकों की भर्ती कर रहा है No कॉल, वाट्सएप्प पर बायोडाटा भेजें- 7000867969, 74772 37699 (40890)

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु दो चौकीदार (रहकर काम करने वाले) एक सुपरवाइजर, एक ड्राइवर एवं ऑटोकैड ड्राफ्ट्मैन की आवश्यकता है वेतन योग्य अनुसार। सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 98279 59907 (40886)

आवश्यकता है-थोक स्टेशनरी दुकान में मेहनती लड़कों- लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

आवश्यकता है-टिफिन सेन्टर में खाना और नाश्ता बनाने के लिए कुक की आवश्यकता है। घर जैसा नाश्ता खाना बनाना है। सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर मंगला बिलासपुर 9755655055 (40878)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति, जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कार्य कर सके तथा डे/नाइट में कार्य हेतु आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9981630084, 94255 34940 (40881)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवशयकता है मासिक सैलरी 10000 से 15000, पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (40863)

आवश्यकता है-खिलौना दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है एवं कॉर्टून पैकिंग करने वालों की भी आवश्यकता है सम्पर्क करें नैतिक ट्रेडर्स होटल अजीत के सामने बिलासपुर 91093 20238 (40819)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77460 00016, 7747000016, 77470 00019, 7746000019 (015)

आवश्यकता है-ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़के एवं मैनेजर (सॉफ्टवेर ऑपरेटर) की आवश्यकता है। नोट- केवल ऑटो पार्ट्स अनुभवी लड़के ही सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (40879)

आवश्यकता है- ड्राय फ्रूट्स के थोक दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- प्रेम ड्राय फ्रूट्स, बड़ी पार्किंग के पास व्यापार विहार बिलासपुर 7804999991 (40853)

आवश्यकता है- पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के-लड़कियां, महिलाऐ -पुरुष पैकिंग करके (22500-64500) महीना कमाऐ, फन्ड+ बोनस- 92179 61955. 8527765400 (061)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर मंगला हाउसिंग बोर्ड में गार्डन फेसिंग 2BHK मकान कीमत 25 लाख रुपए में अतिशीघ्र बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 7898855268 (कृपया ब्रोकर सम्पर्क ना करें) (40894)

बेचना है-लेआउट गीतांजलि पार्क महर्षि विद्या मन्दिर रोड मंगला में 1500 वर्गफुट का प्लॉट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- डॉक्टर जे.पी. दुबे 9630231500, 96309 95600 (40877)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एस.के. बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (40711)

बेचना है- ग्राम खोखसा जिला जांजगीर चांपा में खोखसा रेल्वे लाईन के नीचे स्थित कृषि भूमि कुल रकबा 2.502 हेक्टेयर (6.18 एकड़) बेचना है सम्पर्क करें- 9827965327, 62327 01261, 8817015518, 8982930040 (40893)

बेचना है-मोपका से चिल्हाटी जाने वाले मार्ग से 200 फीट अंदर 40×60 का प्लॉट 2400 वर्गफीट जमीन डायवर्टेड प्लॉट 950/- प्रति वर्गफिट में बेचना है, सम्पर्क करें- 86024 93624, 9691462088 (40883)

किराया

किराया-बिलासपुर में संजय तरण पुष्कर के पास मुंगेली नाका चौक में मेन रोड पर 220 वर्गफुट की ग्राउंड फ्लोर की दुकान किराए पर देना है सम्पर्क करें- 9827482446, 79875 67068 (40876)

किराया-राजेन्द्र नगर, स्मार्ट सिटी चौक, मेन रोड पर 1100 वर्गफुट फर्स्ट फ्लोर कमर्शियल स्पेस किराये से देना है (ऑफिस, NBFC, कोचिंग, सैलून क्लीनिक अन्य व्यवसाय हेतु उपयुक्त) सम्पर्क करें- 9294545000 (40880)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

फायनेंस

फायनेंस- महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्कः- 9039310732, 8280401638 (059)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
प्रायः सदियों से लोग जानते है कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	13	8	5	16
पंजाब	13	6	6	13
राजस्थान	12	6	6	12
चेन्नई	13	6	7	12
दिल्ली	13	6	7	12
कोलकाता	12	5	6	11
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

हेनरिक क्लासेन
555 रन
हैदराबाद

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

पंत की वनडे टीम से छुट्टी, टेस्ट में हुआ डिमोशन, ईशान की वापसी

टेस्ट और वनडे टीम से बाहर बुमराह, पहली बार टेस्ट टीम में मानव सुतार और गुरनूर बरार

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एक टेस्ट के लिए भारतीय टीम की उपकप्तानी से हटा दिया गया है और तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए वह टीम में नहीं हैं। केएल राहुल को पंत की जगह भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है जबकि शुभमन गिल कप्तान होंगे। सीनियर हरफनमौला रविंद्र जडेजा को टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी कार्यभार प्रबंधन के तहत टेस्ट और वनडे से आराम दिया गया है लेकिन वह इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में लौटेंगे।

वनडे टीम में प्रिंस को जगह

अजित अगरकर की अगुवाई वाली बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक हुई, जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं के लिए टीम चुनी गई। 6 जून से मुल्लांपुर में एकमात्र टेस्ट खेला जाएगा जबकि तीन वनडे 14 जून से धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में होंगे। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद कहा, ' बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं।' स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

अगस्त 2024 में आखिरी बार वनडे खेले थे ऋषभ

ऋषभ पंत ने अगस्त 2024 में आखिरी बार वनडे मैच खेला था। इससे पहले जनवरी 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे। उनके दाहिने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया गया था। पंत ने वनडे में 31 मैच खेले हैं और 27 पारियों में 33.50 के औसत और 106.21 के स्ट्राइक रेट से 871 रन बनाए हैं। इसमें 1 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। नाबाद 125 उनका सर्वोच्च स्कोर है।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

सूर्यवंशी ने 244 से अधिक के स्ट्राइक रेट से ठोके रन, लगाए 10 छक्के और 7 चौके

वैभव की आंधी, 220 रन बनाकर हारी एलएसजी

एक सीजन में 579 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने सूर्यवंशी

एजेंसी ▶▶| जयपुर

वैभव सूर्यवंशी की 38 गेंदों में 93 रन की आक्रामक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल टी20 मैच में मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 5 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा दिए। एलएसजी ने मिचेल मार्श की 96 रन की तेजतर्रार पारी की बदौलत 5 विकेट पर 220 रन बनाए, लेकिन सूर्यवंशी की पारी के सामने यह स्कोर भी बौना साबित हुआ। राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 225 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

तालिका में चौथे स्थान पर राजस्थान

अगर-मगर के बिना प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए राजस्थान रॉयल्स को आखिरी दो मैच जीतना जरूरी था और गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों ने टीम को आसान जीत दिला दी। रॉयल्स अब 13 मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। एलएसजी पहले ही प्ले ऑफ की रेस से बाहर है।

वैभव और जुरेल ने की शतकीय साझेदारी

अपनी पारी की शुरुआती 10 गेंदों में सिर्फ 5 रन बनाने वाले सूर्यवंशी ने 38 गेंदों की पारी में 7 चौके और 10 शानदार छक्के जड़े। उन्होंने कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल (43) के साथ पहले विकेट के लिए 39 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की, जबकि ध्रुव जुरेल (नाबाद 53) के साथ 45 गेंदों में 105 रन जोड़े। जायसवाल ने 23 गेंदों की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया, जबकि जुरेल ने 38 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाते हुए तीन चौके और तीन छक्के जड़े। सूर्यवंशी 13 मैचों में 579 रन के साथ मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

मार्श ने सत्र में तीसरी बार बनाया 90 से अधिक का स्कोर

जोश इंग्लिस ने एलएसजी को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने शुरुआती ओवरों में आक्रामक तेवर दिखाते हुए 29 गेंदों में 60 रन की तूफानी पारी खेली। इसके बाद मार्श ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 चौके और 5 छक्के जड़े। मौजूदा सत्र में यह तीसरी बार रहा, जब उन्होंने 90 से अधिक का स्कोर बनाया। एलएसजी के लिए निराशाजनक रहे इस सत्र में मार्श का प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात साबित हुआ है। उन्होंने 13 मैचों में 563 रन बनाए हैं।

एक सीजन में 50 छक्के वाले पहले भारतीय बने वैभव

वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल के एक सीजन में 50 से अधिक छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने अब तक 53 छक्के लगा लिए हैं। एक सीजन में उनसे ज्यादा छक्के सिर्फ क्रिस गेल (59) ने लगाए हैं। सूर्यवंशी ने सीजन में अब तक 13 मैच खेल चुके हैं, जिसमें लगभग 45 की औसत और 236.32 की स्ट्राइक रेट से 579 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक के अलावा एक शतक भी अपने नाम किया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पायदान पर पहुंच गए हैं। इस मामले में उन्होंने मिचेल मार्श (563) को पीछे छोड़ा।

आईसीसी महिला रैंकिंग

फातिमा सना ने टी20 और लॉरेन ने वनडे में लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी की ताजा जारी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में पाकिस्तान की कप्तान फातिम सना ने टी20 और इंग्लैंड की तेज लॉरेन बेल ने वनडे में लंबी छलांग लगाई है। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच हाल ही में कराची में टी20 सीरीज खेली गई थी। पाकिस्तान ने इस सीरीज को 3-0 से जीता था। इस सीरीज में फातिम का प्रदर्शन शानदार रहा था और इसका फायदा उन्हें टी20 रैंकिंग में हुआ है। आखिरी मैच में 62 रन की पारी खेल कर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाली फातिम सना 4 स्थान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर स्मृति बरकरार

वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर भारत की स्मृति मंधाना, दूसरे पर दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी तीसरे स्थान पर हैं। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर तीसरे स्थान पर हैं।

फातिमा ने गेंदबाजी में किया दमदार प्रदर्शन

फातिमा सना ने गेंदबाजी में भी दमदार प्रदर्शन किया था और 5 विकेट लिए थे, इसका फायदा उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में भी हुआ है। वह 6 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर चली गई हैं। पाकिस्तान की स्पिनर नशरा संधू ने भी इस सीरीज में 5 विकेट लिए थे। उन्हें टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है। नशरा अब सातवें स्थान पर चली गई हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल ने सीरीज में छह विकेट लिए थे। वह नंबर 1 टी20 गेंदबाज हैं।

मलेशिया मास्टर्स: अश्मिता की एकल मुख्य ड्रॉ में एंट्री

कुआलालम्पुर। भारत की अश्मिता चालिहा ने चीनी ताइपै की पाइ यू पो को तीन गेम के मुकाबले में हराकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई–निविदा सूचना सं. 4637–जीआरसी–सीई–सी–II–19–2026, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य अभियंता (निर्माण)/II/गार्डन रीच द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तिथि को 12.00 बजे बंद की जाएगी। **कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** निर्माण संगठन में उप सीई/निर्माण/टाटानगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गम्हरिया–चाण्डिल जंक्शन के बीच प्रस्तावित तीसरी और चौथी लाइन के संबंध में, फॉर्मेशन के निर्माण, छोटे पुलों के विस्तार, एफओबी, प्लेटफॉर्म, ईआई बिल्डिंग, अप्रोच रोड, साइड ड्रेन, रिटेनिंग वॉल आदि, साथ ही ट्रैक लिंकिंग, बैलस्ट की आपूर्ति और बिछाने तथा अन्य विविध कार्यों के लिए गम्हरिया, बिराजपुर, कुनकी और मानीकुई का यार्ड रिमॉडलिंग कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु.93.26 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,86,51,100/–, **समापन अवधि:** 24 माह। **अंतिम तिथि:** दिनांक 16.06.2026, इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** "प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।" **(PR-191)**

नेमार खेलेंगे चौथा विश्व कप ब्राजील टीम का हुआ ऐलान

एजेंसी ▶▶| रियो डी जनेरियो

स्टार स्ट्राइकर नेमार को उनकी फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद ब्राजील की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह फुटबॉलर इस तरह से अपना चौथा विश्व कप खेलेगा।

34 वर्षीय नेमार के नाम पर ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने का रिकॉर्ड है लेकिन वह अक्टूबर 2023 में बाएं एसीएल में चोट लगने के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस साल ब्राजील के अपने क्लब सैंटोस के लिए 8 मैच खेले हैं, जिनमें चार गोल किए।

विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी नेमार

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा, 'नेमार ने अपनी फिटनेस में काफी सुधार किया है। वह इस विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी फिटनेस में और सुधार होने की संभावना है।' कोच ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम में कुछ स्थानों के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। उनका अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।' ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम में हाल के वर्षों के उसके प्रमुख खिलाड़ी रहे विनीसियस जूनियर और राफिन्हा भी शामिल हैं। ब्राजील 13 जून को न्यूजर्सी में मोरक्को के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा।

टी20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में भारतीय टीम : स्मृति

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में है। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। वनडे विश्व कप विजेता भारत 14 जून को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। मंधाना ने कहा, 'हमारा अभ्यास शिविर बहुत अच्छा रहा। मैं अभी इस बारे में इतना ही बताना चाहती हूं। मैं इस बारे में कोई विशिष्ट जानकारी नहीं देना चाहती हूं कि हमने किन चीजों पर काम किया है क्योंकि विश्व कप अब काफी करीब है।'

29 से इंडियन ओपन सर्फिंग टूर्नामेंट

मैंगलुरु। जापान में इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की दृष्टि से महत्वपूर्ण इंडियन ओपन सर्फिंग टूर्नामेंट 29 से 31 मई तक ब्लू बे तन्निरभावी इको बीच पर आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय सर्फिंग महासंघ (एसएफआई) के तत्वावधान में किया जाएगा। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। एसएफआई ने मंगलवार को जानकारी दी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर मण्डल अनुलग्न-अ

कार्य विवरण: ई-नीलामी - बिलासपुर मंडल के उसलापुर माल गोदाम में रेलवे में माल एवं सामान परिवहन में संलग्न प्रेषक एवं प्राप्तकर्ताओं के लिए एक सुविधा काउंटर के रूप में प्रोमोशनल कियोस्क की स्थापना, संचालन एवं प्रबंधन हेतु। हेतु लाइसेंस तथा उसलापुर माल गोदाम में कार्यरत स्टाफ एवं श्रमिकों के लिए कैंटीन सुविधा की स्थापना, संचालन एवं अनुरक्षण हेतु लाइसेंस पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए, जिसका व्यय लाइसेंसधारी द्वारा वहन किया जाएगा।" का आयोजन **दिनांक 25.05.2026 को** निर्धारित है। लाइसेंस आबंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही **दिनांक 08.05.2026 को** आईआरईपीएस वेबसाइट **(https://ireps.gov.in)** पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार है:

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PRKIOSK-CANTEEN	Misc-Static-Services-Promotion-al-Kiosk	25.05.2026 13:30:00	MSS-BSP-USL Prkiosk-137-26-1	बिलासपुर मंडल के उसलापुर माल गोदाम में रेलवे में माल एवं सामान परिवहन में संलग्न प्रेषक एवं प्राप्तकर्ताओं के लिए एक सुविधा काउंटर के रूप में प्रोमोशनल कियोस्क की स्थापना, संचालन एवं प्रबंधन हेतु लाइसेंस तथा उसलापुर माल गोदाम में कार्यरत स्टाफ एवं श्रमिकों के लिए कैंटीन सुविधा की स्थापना, संचालन एवं अनुरक्षण हेतु लाइसेंस, पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए, जिसका व्यय लाइसेंसधारी द्वारा वहन किया जाएगा।	1826 दिन

सहायक वाणिज्य प्रबंधक (माल भाड़ा-II)
सीपीआर/10/AM/120 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत सीतापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

फोन नम्बर - 07834 275013 **e-mail - cmositapur@rediffmail.com**

क्रमांक/145/लो.नि.वि/न.पं./2026-2027 सीतापुर, दिनाँक 19/05/2026

- :ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना:-

एतद् द्वारा नगर पंचायत सीतापुर क्षेत्रांतर्गत एकल पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम (''द'' एवं उच्चतम) श्रेणी ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा क्रमशः Form-A अंतर्गत प्रचलित एस.ओ.आर. CG PWD Bulding w.e.f. on 01.01.2015 से प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि	टेण्डर फार्म शुल्क	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	191268	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of SITAPUR, Chhattisgarh	29.10	14600/-	10000/-	15-06-2026 सायं 5:00 बजे तक

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभाग के वेबसाईड https://eproc.cgstate.gov.in एवं https://uad.cg.gov.in में देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

टीप :- निविदा हेतु भौतिक दस्तावेज रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही नियत तिथि एवं समय तक प्राप्त की जावेगी।

प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग ना करें।
नगर पंचायत के करों का भुगतान समय पर करें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत सीतापुर जिला - सरगुजा (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक .707/न.पा.नि./ लोनिवि / 26-27
अम्बिकापुर दिनांक 19/05/2026

- : ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा वार्ड क्रमांक 45 जिला अस्पताल अम्बिकापुर के छत पर शेड निर्माण कार्य हेतु राशि रूपये 49.66 लाख की (System Tender No. 191267) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है।

विस्तृत निविदा सूचना छ.ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101
ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 25.06.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई-नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्रं.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य(लाख में) / ई.एम.डी.(लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी(लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक ब) कब्जा दिनांक स)बकाया राशि(लाख में)
01	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - मैसर्स साड़ी सागर, प्रोप.- श्री रमेश कुमार खुबवानी पिता श्री लुधोमल खुबवानी, जमानतदार- श्रीमती सीमा खुबवानी पति श्री रमेश खुबवानी, श्री भीमसेन बैसानी पिता श्री संगतराम बैसानी	(अ) आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर 302, तीसरी मंजिल सी - बनाना, हंसा विहार कॉलोनी, खसरा नं 638/53, 638/60, 638/61, 638/66, प.ह नं 22, शीट नं 8/5, प्लॉट नं 275, वार्ड नं 14, विनोबा नगर वार्ड, मौजा - जूना बिलासपुर, आरएनएम - बिलासपुर, तहसील एवं जिला - बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 1174.50 वर्गफुट पर स्थित फ्रीहोल्ड संपत्ति, मालिकाना हक - श्री रमेश कुमार खुबवानी पिता श्री लुधोमल खुबवानी । सीमाएँ :-उत्तर - फ्लैट नंबर 301,दक्षिण - फ्लैट नंबर 303,पूर्व - मार्ग,पश्चिम - आसमान की ओर खुला। (सांकेतिक कब्ज़ा) (ब) आवासीय भूमि एवं भवन - प्लॉट नंबर 611, खसरा नं 414/23, प.ह नं 22, शीट नं 10/06, मौजा-जूना बिलासपुर, आरएनएम-बिलासपुर, तहसील एवं जिला-बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 872 वर्गफुट पर स्थित फ्रीहोल्ड संपत्ति, मालिकाना हक- श्री भीमसेन बैसानी पिता श्री संगतराम बैसानी (जमानतदार) ।सीमाएँ :-उत्तर- सड़क,दक्षिण - रामनिहोर की भूमि,पूर्व - केशरवानी की भूमि,पश्चिम - पिछले मालिक की भूमि। (सांकेतिक कब्ज़ा)	अ ₹ 51.21 ₹ 5.12 ₹ 0.25 ब ₹ 72.72 ₹ 7.27 ₹ 0.25	अ) 26.08.2025 ब) 25.11.2025 स) ₹ 199.00 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
02	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - आर.बी.एग्रो एंड सप्लायर्स, प्रोप.- श्री ईश्वर दास मुंद्रा पिता बल्लव दास मुंद्रा, जमानतदार - श्रीमती कृष्णा चौधरी पति स्व. श्री तुलसी दास चौधरी	खुला प्लॉट - भूखण्ड नं 10/39, खसरा नं 1361/90 (1362/91, 1366/88, 1372/101), मौजा-तोरवा, प.ह नं 22/34, शीट नं 20, ब्लॉक नं 12, विवेकानन्द नगर वार्ड, ब्लॉक- बेल्हा, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 2320 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती कृष्णा चौधरी पति श्री तुलसीदास चौधरी। सीमाएँ :-उत्तर-विनोद सिंह का प्लॉट,दक्षिण - सड़क, पूर्व - विनोद सिंह का प्लॉट,पश्चिम - अन्य का प्लॉट। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 18.76 ₹ 1.87 ₹ 0.25	अ) 04.06.2021 ब) 03.02.2022 स) ₹ 43.06 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
03	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - श्रीमती जानवी मूलचंदानी पति श्री पुरूषोत्तम मूलचंदानी, सह-उधारकर्ता - श्री पुरूषोत्तम मूलचंदानी पिता श्री हुंदराज मूलचंदानी	आवासीय संपत्ति- खसरा नं 392/22, 394/22, 395/22, इस्तार नं 14/2, भूखंड नं 97, पत्रकार कॉलोनी, कस्तूरबा नगर वार्ड 04, मौजा-कुदुदंड, बिलासपुर, में क्षेत्रफल -1100.00 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती जानवी मूलचंदानी ।सीमाएँ :-उत्तर- के.डी. यदुराय का मकान, दक्षिण - मूलचंद खुटे का मकान, पूर्व - सरकार की भूमि,पश्चिम - निस्तारी रोड। (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 56.10 ₹ 5.61 ₹ 0.25	अ) 22.07.2025 ब) 10.10.2025 स) ₹ 42.13 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
04	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता - मैसर्स अक्षत मोटर्स, प्रोप.- श्रीमती हेमेश्वरी महतेल पति श्री वाणी विलास महतेल, जमानतदार - 1. श्री वाणी विलास महतेल, 2. श्रीमती रोहिणी बाई पति खोमलाल महतेल	आवासीय संपत्ति - खसरा नं 687/119 एवं 687/163, प.ह नं 18/23, वार्ड नं 42, गोकुल किराना स्टोर्स के पास, कशारीडीह, दुर्ग, तहसील एवं जिला- दुर्ग (छ.ग), भूमि क्षेत्रफल- 1200+ 1400= 2600 वर्ग फुट व उस पर निर्माण, मालिकाना हक- श्रीमती रोहिणी बाई मेहतेल ।सीमाएँ (वास्तविक के अनुसार):-उत्तर- अन्य का मकान, दक्षिण - सड़क 20 फीट,पूर्व - अन्य का मकान, पश्चिम - रामलाल शुक्ल का मकान। (भौतिक कब्ज़ा)	₹ 58.78 ₹ 5.87 ₹ 0.25	अ) 21.04.2018 ब) 03.03.2025 स) ₹ 296.30 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
05	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- मैसर्स शगुन एंटरप्राइजेज, प्रोप.- श्री रूपेश कुमार टावरी पिता माणक लाल टावरी, जमानतदार- श्रीमती प्रेमलता सारदा पति स्व. श्री हरिप्रकाश सारदा	आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर डी-401, चौथी मंजिल, प्रिंसेस प्राइड, कौरिनभाटा, हरिओम नगर, खसरा नं 106/10 एवं 106/11, प.ह नं 36/24, वार्ड नं 22, तहसील एवं जिला- राजनांदगांव (छ.ग), क्षेत्रफल - 662.50 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्रीमती प्रेमलता सारदा पति स्वर्गीय हरिप्रकाश सारदा। सीमाएँ :- उत्तर - फ्लैट नंबर 404, दक्षिण -आसमान की ओर खुला, पूर्व - आसमान की ओर खुला, पश्चिम - फ्लैट नंबर 402. (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 17.50 ₹ 1.75 ₹ 0.25	अ) 09.04.2025 ब) 04.07.2025 स) ₹ 328.16 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
06	एआरबी (रायपुर) शाखा:- उधारकर्ता- श्री प्रीतपाल सिंह पंछी पिता स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंछी, श्री रवींद्र सिंह पंछी पिता स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंछी, श्री नरेशपाल सिंह पंछी पिता स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंछी, श्री राजमल सिंह पंछी पिता स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंछी, श्रीमती निर्मल कौर पंछी पति स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंछी	आवासीय भूमि एवं भवन - खसरा नं 943/2, प.ह नं. 21/35, प्लॉट नं. 43/5, शीट नं. 31, ब्लॉक नंबर 10, मौजा-मंगला , तहसील एवं जिला- बिलासपुर (छ.ग), क्षेत्रफल -10470.00 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री रवींद्रपाल सिंह पंछी, श्री नरेशपाल पंछी, श्री प्रीतपाल सिंह पंछी, श्री राजपाल सिंह पंछी एवं श्रीमती निर्मल कौर पंछी. सीमाएँ :- उत्तर-चौहान का मकान एवं अन्य का प्लॉट, दक्षिण- गली,पूर्व - सड़क,पश्चिम- टंडन जी का मकान. (सांकेतिक कब्ज़ा)	₹ 233.75 ₹ 23.37 ₹ 0.50	अ) 19.06.2025 ब) 10.10.2025 स) ₹ 58.79 + ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई- ऑक्शन की तारीख और समय–दिनांक : 25.06.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 20.05.2026 से 24.06.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः–कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक–कर्ताओं को 30 दिन का बकाया सूचना

उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एवं खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - एआरबी (रायपुर) शाखा: सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं। 3.** बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बनी लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढ़ोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई-नीलामी जो कि दिनांक 20.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनांक : 20.05.2026, स्थान : रायपुर — अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

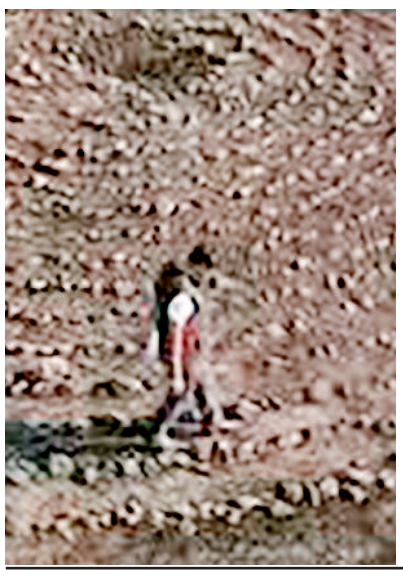

भारत में यहां मिली 2 हजार साल पुरानी भूलभुलैया, बनावट देखकर एक्सपर्ट्स भी चौंके

मुंबई। महाराष्ट्र के घास के मैदान में एक ऐसी रहस्यमय गोलाकार पत्थर की संरचना मिली है, जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के पुरातत्विदों और इतिहासकारों को हैरान कर दिया है। राज्य के सोलापुर जिले के बोरामानी घास के मैदानों में छिपी यह संरचना एक तरीके से भारत की सबसे बड़ी गोलाकार भूलभुलैया मानी जा रही है। वहीं, विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह 2000 साल से भी पुरानी हो सकती है। दरअसल, हाल में ही हुई यह खोज न केवल अपने विशाल आकार के कारण महत्वपूर्ण है, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत को रोमन साम्राज्य से जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्गों के बारे में जानकारी मिल सकती है।

पहले भी मिले रोमन काल से जुड़े अवशेष

बता दें कि महाराष्ट्र में इससे पहले भी रोमन काल से जुड़े अवशेष मिल चुके हैं, जिसमें कांस्य दर्पण और ग्रीको-रोमन समृद्धी देवता पोजीडॉन की मूर्ति शामिल है। जानकारी के अनुसार, इस संरचना का व्यास लगभग 50 फीट है। यह 15 गोलाकार चक्कर पत्थरों से बने है। खास बात है कि भारत में अभी तक मिली सबसे बड़ी गोलाकार लेबिरिंथ तमिलनाडु में मिली है।

सातवाहन काल की है।

सबसे हैरान करने वाली बात है कि इस प्राचीन संरचना की खोज सबसे पहले पुरातत्वविदों ने नहीं की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बोरामानी घास के मैदानों में वन्यजीव सर्वेक्षण करते समय एक स्थायीन संरक्षण समूह के सदस्य ने पत्थरों के इस अनोखे पैटर्न को देखा था। बाद में शोधकर्ताओं ने पुष्टि करते हुए बताया कि यह भूलभुलैया संभवतः प्राचीन और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण था। पुरातत्वविदों का कहना है कि पत्थरों की सावधानीपूर्वक व्यवस्था और स्थल की जीर्ण-शीर्ण स्थिति से स्पष्ट संकेत मिलता है कि यह सातवाहन काल की है।

महाभारत के चक्रव्यूह से कैसे निकले संबंध?

एक्सपर्ट्स इस संचरचना को महाभारत के प्रसिद्ध चक्रव्यूह से भी जोड़ रहे हैं। महाभारत में चक्रव्यूह एक जटिल वृत्ताकार सैन्य संरचना को संदर्भित करता है, जिसे शत्रुओं को घूर्णनशील रक्षात्मक परतों के भीतर फंसाने के लिए बनाया गया है। यही कारण है कि शोधकर्ताओं का कहना है कि बोरामानी भूलभुलैया इन गोलाकार आकृतियों से दृश्य रूप से मिलती-जुलती है। वहीं, कई भारतीय परंपराओं में भूल-भुलैया जैसी आकृतियों को आध्यात्मिकता, ध्यान, उर्वरता और ब्रहांडीय प्रतीकवाद से जोड़ा जाता है।

15 करोड़ साल पहले दुनिया का कैसा था भूगोल?

वॉशिंगटन। क्या आज के समय आप सोच सकते हैं कि बर्फ से ढका अंटार्कटिका किसी समय में भारत से सीधे जुड़ा था। अगर आपसे कोई ऐसा कहे, तो संभव है कि आप इसको नकार देंगे।

हालांकि, हालिया एक रिसर्च में ऐसी जानकारी सामने आई है, जिसने चौंका दिया. शोधकर्ताओं ने पाया कि आज से करीब 15 करोड़ साल पहले भारत और अंटार्कटिका एक ही भू-भाग के हिस्सा थे। हैरान करने वाली बात है कि इनके बीच एक विशाल पर्वत श्रृंखला भी फैली हुई थी।

दरअसल, शोधकर्ताओं ने अपनी खोज में पाया कि करोड़ों साल पहले जब महाद्वीप अलग-अलग हुए, तब ये पहाड़ियां भी टूट गईं। बता दें कि हाल में ही भारतीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने आंध्र प्रदेश में कुछ चट्टानों का अध्ययन किया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये चट्टानें पूर्वी अंटार्कटिका की चट्टानों से काफी हद तक मेल खाती थी।

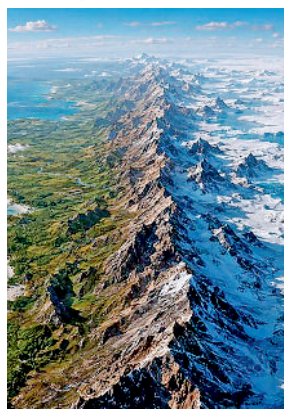

रिसर्च में क्या आया सामने?

इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने पाया कि भारत और अंटार्कटिका पहले सुपरकॉन्टिनेंट गोंडवाना का हिस्सा थे। इसी गोंडवाना में अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका भी शामिल थे। इसके बाद धरती के टेक्टॉनिक प्लेटों में काफी बदलाव हुए और यह भूभाग अलग-अलग दिशाओं में खिसक गए।

भारत और अंटार्कटिका के बीच थी पर्वत श्रृंखला

शोध कर रहे वैज्ञानिकों ने बताया कि भारत और अंटार्कटिका के बीच उस वक्त जो पर्वत श्रंखला थी, वह समय के साथ टूट गई और दोनों महाद्वीप आज के समय में एक- दूसरे से हजारों किलोमीटर दूर हैं। हालांकि, शोध में पाया गया कि चट्टानों की बनावट और उनकी उम्र अब भी इनके पुराने रिश्तों के बारे में बता रही है। इस रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने ग्रेनुलाइट नाम की एक मजबूत चट्टानों का परीक्षण किया। इसमें जिरकॉन जैसे खनिज पाए जाते हैं, जो अत्यधिक गर्मी और दबाव में भी नहीं बदलते हैं। इस खोज से वैज्ञानिकों को और पक्का यकीन हो गया है कि भारत और अंटार्कटिका पहले एक थे। शोधकर्ताओं ने माना है कि इस प्रकार की खोजें पृथ्वी के इतिहास, महाद्वीपों के बनने और बिगड़ने और जलवायु परिवर्तन को समझने में काफी मददगार साबित होती हैं।

खतरा

कभी ढिबरी तो कहीं ढक्कन

अंतरिक्ष से गिरने वाले सैटेलाइट और रॉकेट के मलबे का खतरा बढ़ा

अंतरिक्ष में इतना कबाड़ जमा हो गया है कि वैज्ञानिकों को डराने लगा है। पहले तो इनको लेकर लगाए जाने वाले अनुमान कुछ-कुछ सही साबित होते थे, लेकिन बीते कुछ सालों में अचानक टपकने वाली मुसीबतों की स्ट्राइक रेट ने दुनियाभर के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को अंदर तक हिलाकर रख दिया है।

वॉशिंगटन। धरती पर अंतरिक्ष से अचानक गिरने वाले सैटेलाइट और रॉकेट के मलबे का खतरा अप्रत्याशित रूप से बढ़ता जा रहा है। नासा से लेकर रॉसकॉसमॉस, ईएसए से लेकर इसरो और जाक्सा तक के वैज्ञानिकों आसमानी आफत को लेकर लगातार चेतावनी जारी कर रहे हैं। स्पेस साइंटिस्टों का मानना है कि वो दिन दूर नहीं जब ढिबरी से लेकर विशालकाय चट्टानी मेटल के ढक्कन अचानक गिरकर इंसानी जीवनलीला खत्म करने के साथ-साथ पूरे इलाके को मलबे में बदल दिया करेंगे. वैज्ञानिकों ने अपनी इस चिंता के पीछे ठोस आधार भी दुनिया के सामने रखे हैं।

यह है वैज्ञानिकों की परेशानी की नई वजह : वैज्ञानिक दो बातों की वजह से ज्यादा परेशान हैं। पहली ये कि दशकों पहले दुनिया की 5 बड़ी स्पेस एजेंसियों के रॉकेट और सैटेलाइट भेजे जाते थे, तो स्पेस जगत के दिग्गजों को उसके पाथ से लेकर मिशन फेल होने तक के संभावित खतरे का पता रहता था। आज हालात बदल चुके हैं। प्राइवेट प्लेयर्स यानी निजी कंपनियों द्वारा लाखों सैटेलाइट लॉन्च करने की योजनाओं ने वैज्ञानिकों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं।

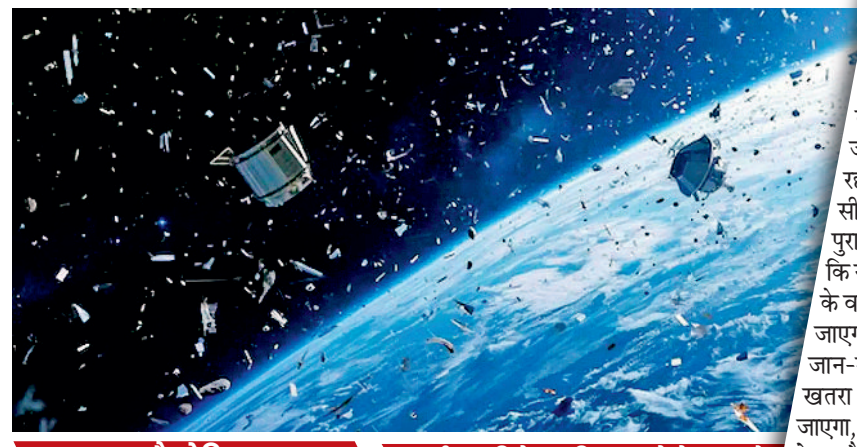

क्या है प्रोसिजर?

जब अंतरिक्ष यान लॉन्च किए जाते हैं, तब इस्तेमाल के बाद रॉकेट बूस्टर और दूसरे हिस्सों को अलग कर दिया जाता है। माना जाता था कि ये हिस्से पृथ्वी के वातावरण में लौटते समय जलकर नष्ट हो जाएंगे, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं हुआ. लॉन्च की संख्या तेजी से बढ़ने के कारण अंतरिक्ष में कचरा भी बढ़ता जा रहा है और इसके धरती पर गिरने की आशंका भी बढ़ गई है।

धरती पर गिरे अंतरिक्ष मलबे के मामले

रिसर्चर्स ने ऐसी कई मिसालें दी हैं, जब धरती पर अचानक टपकी इन आफतों की वजह से बड़ा नुकसान होते-होते बचा. एलन मस्क के स्पेसएक्स ड्रैगन के कार्बन फाइबर ट्रंक के हिस्से पहले भी धरती पर गिर चुके हैं। यह हिस्सा आकार में 15 यात्रियों वाली वैन जितना बड़ा होता है। अब सोचिए इतना बड़ा और भारी मलबा जिसके ऊपर गिरेगा उसका क्या हाल होगा।

पुरानी थ्योरी फेल

वैज्ञानिकों के मुताबिक, सैटेलाइट और रॉकेट लॉन्च के बाद बचा हुआ मलबा अब पहले की तरह पूरी तरह वातावरण में जलकर खत्म नहीं हो रहा है। इनमें से कई हिस्से सीधे धरती पर गिर रहे हैं। पुरानी थ्योरी ये कहती थी कि स्पेस से कोई चीज धरती के वातावरण में आते ही जल जाएगी, इससे इंसानों के जान-माल के नुकसान का खतरा कमोबेश कम हो जाएगा, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। मलबा अपने पूरे फॉर्म में नीचे आ रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-स्टाउट के वैज्ञानिकों ने अपनी हालिया रिसर्च में उन सामानों का अध्ययन किया जो धरती के वातावरण में दोबारा दाखिल (री-एंट्री) होते समय भी बच जाती हैं। अब वैज्ञानिकों का उद्देश्य कुछ ऐसे बदलाव सुझाना है, जिससे भविष्य में ये मलबा कम से कम खतरनाक साबित हो।

भारत का वो इलाका जहां उगता है देश का आधा कटहल

नई दिल्ली। भारत में सबसे ज्यादा कटहल केरल में उगाया जाता है। देश भर में करीब 18 लाख टन कटहल सालाना उगता है। इसमें 45 प्रतिशत हिस्सा अकेले केरल का होता है। केरल में ज्यादा उत्पादन की वजह से वहां की गर्म-आर्द्र जलवायु, साल भर होने वाली बारिश और उपजाऊ मिट्टी का होना है। यह कम रखरखाव वाली फसल है, जिसे अब केरल ने अपना राज्य फल भी घोषित कर दिया है। कटहल उगाने वाले बाकी राज्यों में ओडिशा, असम, तमिलनाडु और महाराष्ट्र शामिल हैं। कटहल बहुपयोगी फल माना जाता है। कच्चे कटहल को सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। उससे करी, चिप्स, पुलाव आदि बनाए जाते हैं। वहीं, पका हुआ कटहल मीठे फल के रूप में खाया जाता है। उसके बीजों को उबालकर या भूनकर स्नैक्स बनाए जाते हैं।

पैसा तो बस कागज है, असली जैकपॉट तो मेरी पत्नी है

18 बार लॉटरी जीतने वाले शख्स ने खोला अपनी किस्मत का राज

न्यूयार्क। लॉटरी पूरी तरह से किस्मत का खेल है। लेकिन अगर कोई एक-दो बार नहीं, बल्कि पूरे 18 बार लॉटरी जीत जाए तो जाहिर है कोई भी यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि शख्स के पास कोई सीक्रेट फॉर्मूला तो नहीं। कुछ ऐसा ही कारनामा करने वाले अमेरिका के रॉबर्ट बेवन से जब उनकी कामयाबी का राज पूछा गया तो उन्होंने जो कुछ भी कहा उसने सोशल मीडिया पर लाखों लोगों का दिल छू लिया। अमेरिका के इडाहो के रहने वाले रॉबर्ट की किस्मत के दरवाजे 1997 में खुले थे, जब उन्होंने पहली बार एक कार जीती थी। तब से लेकर आज तक लॉटरी में उनकी किस्मत हमेशा चमकती रही है। सबसे बड़ी जीत में एक बार उन्हें 2,00,000 डॉलर (1.9 करोड़ रुपए से अधिक) का जैकपाट हाथ लगा था। हाल ही में उन्होंने 10,00,000 डॉलर किंग स्क्रैच गेम खेलकर 50,000 डॉलर (करीब 48 लाख रुपए) की प्राइज मनी जीती है। जब रॉबर्ट अपनी 18वीं जीत का चेक लेने पहुंचे तो इडाहो लॉटरी अधिकारी भी उन्हें देखकर दंग रह गए कि आखिर एक ही इंसान पर किस्मत इतनी मेहरबान कैसे रह सकती है?

क्या था विनिंग फॉर्मूला?

लोगों को लगा कि रॉबर्ट कोई जादुई नंबर या फिर टिकट खरीदने का कोई शुभ समय बताएंगे। लेकिन, उन्होंने मुस्कुराते हुए अपनी पत्नी की ओर देखा और कहा कि हर जीत के पीछे उनका हाथ है। इसलिए नहीं कि वह नंबर चुनती है, इसलिए कि वे दोनों इसे एक साथ एन्जॉय करते हैं। रॉबर्ट ने कहा, पैसा तो बस कागज है। असली जैकपॉट तो मेरी पत्नी है। हम 40 साल से साथ हैं। साथ मिलकर टिकट खरीदना हमारे लिए क्वालिटी टाइम जैसा है। सोशल मीडिया पर जैसे ही रॉबर्ट का यह स्टेटमेंट वायरल हुआ, लोग उनकी लॉटरी के पैसों से ज्यादा उनकी बॉन्डिंग के कायल हो गए। एक यूजर ने कमेंट किया, अमीर वह नहीं जिसके पास 18 लॉटरी के चेक हों, बल्कि वह है जिसके साथ 40 साल पुराना साथ हो।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :